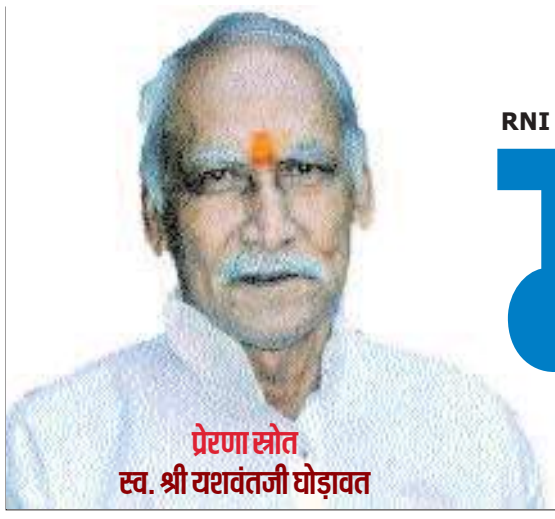

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

लंबे-लंबे भाषणों से कहीं अधिक मूल्यवान है, इंचभर कदम बढ़ाना..
महात्मा गांधी

वर्ष-04, अंक -23 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 10 मार्च 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

विद्युत विभाग की लापरवाही के साथ आखिर मौतों का मंजर कब तक... ?

पुलिस चौकी के सामने पीडित व ग्रामीण ने शव रख चक्का जाम किया जिसके बाद आधी रात मे हुआ मामला दर्ज

एक और लापरवाही का शिकार हुआ आउटसोर्स कर्मचारी मनु सिगाड़ हुई मौत

देर रात तक विद्युत विभाग का अधिकारी पहुचा न ही कोई पुलिस कर्मचारी, पीडित परिवार व ग्रामीणो ने बताई माही की गूंज के प्रधान संपादक को अपनी पीड़ा

पीएम के बाद शव को लेकर पहुचे एमपीईबी खवासा ग्रिड पर पीड़ित परिवार जिनका हो गया था बुरा हाल

माही की गूंज, खवासा

किसी भी कार्य या व्यवस्थाओं में अनियमित्ता व लापरवाही से एक या दो बार हो तो ये बात हम सबको समझ में आती है कि, मानवीय प्रवृति के चलते गलती हो जाती है और उस गलती का हर्जाना भी बड़े रूप से व्यक्ति के मौत के साथ भुगता जाता है। जिसका हर्जाना तो शायद कभी कोई नहीं भर सकता परंतु यह उम्मीद जरूर की जाती है कि, किसी की लापरवाही या गलती से मौत का मंजर देखने के बाद आगे नसीयत लेकर भविष्य में कभी भी ऐसी लापरवाही नहीं होगी, जिससे फिर किसी का बेटा, किसी का सुहाग, किसी का पिता, किसी का भाई मौत की आगोश में समाएगा की उम्मीद की जाती है।

परन्तु बात करें म.प्र. इलेक्ट्रिक बोर्ड (एमपीईबी) विभाग की तो यहां कई कर्मचारी लापरवाहियो के शिकार होकर बिजली पोल पर परमिट देने के साथ कार्य करते समय बिजली के करंट लगने के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गए। जिसमें कई ऐसे कर्मचारी है जो मृत्यु को मात देकर जीवित तो है, परंतु शरीर के अंग डेमेज होकर वह जीवन में अपनी शारीरिक क्षमता के साथ कार्य करने में अक्षमय है तो वहीं कई मौत के आगोश में समा गए। फिर भी इस विद्युत विभाग में ऐसा कोई माजरा देखने में ही नहीं आता कि, ऐसी दुर्घटना के बाद नसीयत ली जाएगी और उम्मीद की जा सके कि, यहां अब लापरवाही नहीं होकर किसी के घर का चिराग आगे मौत के आगोश में नहीं समाएगा।

नतीजन एक के बाद एक विभाग में लापरवाहीयों के साथ घर के चिराग बुझते ही जा रहे हैं और बड़े जवाबदार अधिकारी हर बार जिनके निर्देश व देख-रेख में कार्य होते हैं वे भी पल्ला झाड़कर छोटे कर्मचारियों पर सारा ठीकरा फोड़ अपने बचने की गली निकाल लेते हैं।

मनु की मौत का जवाबदार आखिर कौन...?

विद्युत विभाग के खवासा ग्रिड की ही बात करें तो यहां पर ही एक के बाद एक लापरवाहीयो के साथ में बिजली कर्मचारी दुर्घटना का शिकार हो चुके है और एक से अधिक मौतें भी यहां हो चुकी है। बात करें 6 मार्च की तो यहां 5 मार्च को ही खवासा एमपीईबी के जेई मुकेश परमार के निर्देशन में निर्णय लिया गया कि, रन्नी फिडर में बिजली मेंटेनेंस कार्य हेतु परमिट जारी कर बिजली पोल पर कौन कर्मचारी, कहां जाकर कार्य करेगा का निर्देश भी दिया गया।

इसी तारतम्य में संविदा लाइनमैन नितिन लोहार ने साहब के निर्देशन अनुसार भामल के एक पत्रकार को जेई मुकेश परमार साहब का हवाला देकर 9 से 1 बजे तक बिजली मेंटेनेंस का कार्य करने हेतु बिजली बंद रहेगी की जानकारी मौखिक रूप से दी गई। साहब के निर्देश के अनुसार ही 6 मार्च को नितिन लोहार लाइनमैन ने अपने अधीनस्थ रन्नी फिडर में कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी दुलेसिंग, दीपक भूरिया, मन्नू सिंगाड मीटर, रीडर व लेबर अरविंद निनामा के साथ फील्ड में सुबह गए और चारों को अलग-अलग बिजली मेंटेनेंस हेतु कार्य सौंपा गया और 9 बजकर 5 मिनट पर ग्रिड पर ड्यूटीरत्त ग्रिड ऑपरेटर आउटसोर्स कर्मचारी मुन्ना खड़िया से परमिट लिया। विधिवत बिजली लाइन पर कार्य हेतु अनुज्ञा पत्रक पर उल्लेख भी मय हस्ताक्षर के किया।

वही मनु रन्नी फिडर के ग्राम मकोडिया में थावरीया के घर के पास विद्युत लाइन के खम्बे पर चढ़ 1 बजे के पूर्व जम्पर बांध रहा था कि, अचानक बिजली लाइन चालू हो गई और बिजली का करंट लगते हीं मन्नू पोल से फेकाकर जमींदोज हो गया। जिसे गांव के कुछ व्यक्ति के साथ खवासा में डॉक्टर प्रजापत के यहां लाया गया, जहां डॉक्टर ने तत्काल आगे ले जाने का कहने पर एक अन्य संविदा लाइनमैन सुरसिंग भाभर व नितिन लोहार खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर करीब 1 बजे ले गए। जहां डॉक्टर नहीं होने के चलते तत्काल मनु को पेटलावद हॉस्पिटल उपचार हेतु ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दो इंजेक्शन के साथ बाटल चढ़ाई और आधी बाटल चढ़ने के साथ ही मनु ने अपनी अंतिम सांस ले ली।

परिजनों के हंगामे के बाद आधी रात में हुई एफआईआर दर्ज

मनु की शादी 1 वर्ष पूर्व ही हुई थी जिसकी 2 माह की अबोध बच्ची भी है। मनु की मौत के बाद परिवार एवं ग्रामीणों में आक्रोश भी दिखाई दिया। परिवार एवं ग्रामीणों ने पीएम के बाद शव सुपुर्दगी में लेकर खवासा एमपीईबी ग्रिड पर पहुंचे और चार-पांच घंटों तक पीड़ित परिवार एवं परिवार की महिलाएं रो-रो कर विलाप करते रहे लेकिन मौके से सभी विद्युत कर्मचारी लापता थे, तो वहीं पुलिस भी सारे वाकिये से जैसे अपने आप से अनजान थी मानकर ग्रिड पर नहीं पहुंची। वही पीड़ित परिवार घटना में असल लापरवाही कहां हुई जिसके कारण मनु की मौत हो गई जानने की कोशिश में शव के साथ खड़े रहे। लेकिन ग्रिड पर कोई नहीं आने के कारण रात 10 बजे के करीब शव को लेकर पुलिस चौकी के सामने जाकर सड़क पर शव रख चक्का जाम कर दिया और यहां कुछ भांजगड़ियों की भांजगड़ी भी चलती नजर आई। परिवार मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे, जिस पर पुलिस को आधी रात में मामला दर्ज करना ही पड़ा। जिसमें पुलिस ने पिता व भाई की रिपोर्ट पर आईपीसी की धारा 304 में नितिन लोहार के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया, आगे पुलिस जांच में कहां तक पहुंचती है यह देखने का विषय है।

पूर्व में भी हो चुकी कई घटनाएं

खवासा ग्रिड के अंतर्गत कई घटनाएं ऐसी लापरवाही के कारण हो चुकी है। जिसमें नारेला व संगत आदि जगह के रहवासी आउटसोर्स कर्मचारी घटना के शिकार हो चुके हैं। वही भामल निवासी सुकराम सिंगाड आउटसोर्स कर्मचारी की मौत भी हो चुकी है। मनु की मौत का कारण किस लापरवाही के साथ हुई है, यह तो आगे पता चलेगा ही परंतु लापरवाहीयो के साथ मौत का मंजर विद्युत विभाग में कब तक चलता रहेगा...? का सवाल अहम हैं। उक्त मामले में भी जवाबदार अधिकारी जेई मुकेश परमार कन्नी काटते हुए पत्रकारों को अलग-अलग तरह की बात कहकर गुमराह कर रहे हैं। किसी को डेढ बजे मामले की जानकारी मिली कह रहे है, तो किसी को देर शाम तक भी यह कहते नजर आए कि, मैं झाबुआ मीटिंग में आया था मामला क्या हुआ मुझे नहीं मालूम है, मैं मामले को दिखवाता हूं, आदि बात कहकर पूरे मामले से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों के चुनाव परिणाम आज

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम का इंतजार खत्म होने वाला है। किसकी सत्ता में वापसी होगी और किसे वनवास झेलना पड़ेगा। आज 8 बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी। वोटों की गिनती की शुरुआत हमेशा की तरह पोस्टल बैलेट से होगी और फिर ईवीएम खोली जाएंगी। उत्तर प्रदेश की 403, पंजाब की 117, उत्तराखंड की 70 और गोवा की 40 सीटों पर उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इन्हीं ईवीएम में बंद है। फिलहाल सभी की नजरें इसी बात पर टिकी हैं कि ईवीएम में क्या निकलता है।

एग्जिट पोल वाले नतीजे रहे तो चमकेगा ब्रांड योगी, बीजेपी में भी होंगे बदलाव

उत्तर प्रदेश में एक तरफ समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला देखा जा रहा है तो वहीं पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दो मुख्य प्लेयर के तौर पर सामने हैं। इसके अलावा अकाली दल, बसपा, भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस समेत कई मोर्चे मैदान में हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने इस बार ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा, केशव मौर्य के महान दल और जयंत चौधरी की आरएलडी जैसी छोटी पार्टियों से गठजोड़ किया है।

कृष्ण भगवान संकुल संगठन को मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय पुरस्कार से किया सम्मानित

माही की गूंज ,करवड़

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर नए भारत का नारी उत्सव के अवसर एवं आजादी अमृत महोत्सव कार्यक्रम देवास के पुलीस लाईन मैदान में रखा गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आजीविका मिशन द्वारा संचालीत झाबुआ जिले के विकासखण्ड पेटलावद के द्वारा संचालीत कृष्ण भगवान संकुल संगठन करवड को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानीत किया गया। पुरस्कार सी.एल.एफके अध्यक्ष श्रीमति जमना कटारा द्वारा प्राप्त किया गया। सी.एल.एफके द्वारा लगातार 351 स्व सहायता समूहों के लिए आजीविका वृद्धि हेतु कार्य किये जा रहें हैं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, आजीविका मिशन डी.पी.एम देवेन्द्र श्रीवास्तव, ब्लॉक प्रबंधक अर्पित तिवारी द्वारा संकुल संगठन के पुरस्कार प्राप्त हेतु बधाई दी गयी है ।

5 से 12 वर्ष के बच्चों को मिल सकती है वैक्सीन

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण एक अहम हथियार बना हुआ है। भारत में टीकाकरण अभियान के तहत सैकड़ों लोगों को कोविड-19 वैक्सीन दी जा चुकी है। वहीं देश की तीसरी स्वदेशी कविड-19 कोर्बेवैक्स वैक्सीन, जो कि एक प्रोटीन बेस्ड वैक्सीन है। उसे हैदराबाद स्थित दवा कंपनी बायोलाजिकल ई ने 5 से 12 वर्ष आयु वर्ग वाले बच्चों के लिए, आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के लिए आवेदन किया है।

पगड़ी कार्यक्रम में हुआ विवाद, युवक की पत्थरों से मारकर की हत्या, आरोपी फरार

माही की गूंज, आम्बुआ।

थाना क्षेत्र के तहत चोगड़ी फलिया में एक आदिवासी परिवार में तेरहवीं (नुक्ता) के आयोजन में आपसी वाद-विवाद तथा पुरानी रंजिश के कारण हुए विवाद में एक युवक की पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी हत्या के बाद से फरार है।

हमारे प्रतिनिधि को प्रकरण की जांच कर रहे थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, आम्बुआ की चोगड़ी फलिया में 7 मार्च को एक आदिवासी परिवार में नुक्ता (मृत्यु भोज) का आयोजन हो रहा था। जहा पर अरविंद उर्फ कालू पिता सरदार मंडलोई (भिलाला) भी गया हुआ था। वही पर कार्यक्रम के दौरान रात लगभग 10 बजे अरविंद की किसी बात पर अनिल पिता कालिया चौहान से पुरानी किसी रंजिश के कारण तू-तू मैं-मैं हो गई जिसमे आवेश में आकर अनिल ने पत्थर मार दिया, जिसकी चोट के कारण अरविन्द उर्फ कालू (23) की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा घटनास्थल का मौका मुआयना किया जाकर घटनास्थल एव शव का पंचनामा बनाया जाकर शव को अलीराजपुर स्वास्थ्य केंद्र पर शव परीक्षण (पी. एम) हेतु भेजा तथा उसके उपरांत अंतिम संस्कार हेतु परिजन को सौंपा गया। आरोपी अनिल पिता कालिया चौहान के खिलाफ परिजनों की सूचना पर धारा 302 के तहत प्रकरण कायम किया गया। घटना के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी संघन खोजबीन की जा रही है तथा अति शीघ्र गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। घटना से चोगड़ी फलिया तथा परिवार में हड़कंप मचा है।

दर्दनाक हादसा: पिता की गोद में बैठे मासूम के गले में फंसी कार की सीट बेल्ट, मौत

भोपाल।

भोपाल में एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक सात वर्ष का बच्चा अपने पिता की गोद में बैठा था और पिता सीट बेल्ट लगाकर कार चला रहे थे। इसी दौरान एक बस ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार के एयरबैग्स तो खुले लेकिन सीट बेल्ट बच्चे के गले में फंस गई। इसके बाद बेल्ट काटकर बच्चे को हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी अनुसार 36 वर्षीय राजकिशोर अपने परिवार के साथ भोपाल के करोंद क्षेत्र में आ रहे थे। आयुष नाम का शख्स कार चला रहा था और उसके बगल वाली सीट पर राजकिशोर और उनकी गोद में उनका सात साल का बेटा ललित बैठा हुआ था। पीछे की सीट पर उनके परिवार के अन्य सदस्य बैठे हुए थे। सुबह करीब 6 बजे के आसपास भानपुर पुलिया के पास से गुजर रहे थे तभी एक बस ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी।

पुलिस ने ड्राइवर को किया गिरफ्तार

हादसे में कार में लगे एयरबैग्स खुल गए लेकिन सीटबेल्ट का पट्टा ललित के गले में फंस गया। किसी तरह से बेल्ट काटने के बाद ललित को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बस को जब्त करने के साथ ही ड्राइवर सलीम को गिरफ्तार कर लिया।

संदर्भः पर्वो का सरकारीकरण

भगोरिया का हश्र कहीं मेलों जैसा न हो जाए

माही की गूंज, वरिष्ठ पत्रकार हेमन्त चौपड़ा

झाबुआ। इस बार झाबुआ का परम्परागत उत्सव -भगोरिया, झाबुआ उत्सव के रूप में उपस्थित हो रहा है। परम्परा को बनाए रखने या लुप्त हो चुकी अथवा विलुप्ति की कगार पर आन खड़ीं परम्परा को यदि यह उत्सव विलुप्त होने से बचाता है और ओझल हो चुकी परम्परा को पुर्नजीवित करने में सफल होता है तो इस उत्सव की प्रासंगिकता होगी अन्यथा यह उत्सव मात्र रस्म अदायगी ही होगा।

इस पर्व के सरकारीकरण की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। यह आशंका इससे भी बलवती होती है कि, झाबुआ जिले में पहले रियासत के समय से नगर, गाँव, कस्बों में मेले लगते थे, इनका आयोजन वहां की स्थानीय निकाय कलेक्टर से मंजूरी लेकर ग्राम के योग्य व्यक्तियों की मेला समिति बनाकर सफलता पूर्वक आयोजित करती थीं। एक-एक लाख की उपस्थिति वाले मेले शान्ति पूर्ण रूप से सम्पन्न हो जाते थे। क्योंकि उनमें सीधी जनभागीदारी होती थी। मेले, मेला टैक्स से होने वाली आमदानी से ही कुछ अपवादो को छोड़ संपन्न हो जाया करते थे। उनमें सांस्कृतिक, खेलकूद गतिविधियां, कवि सम्मेलन, श्रेष्ठ दुकान, श्रेष्ठ पशु आदि को पुरुस्कृत भी किया जाता था। एक तरह से रियासत कालीन मेले जिले के वार्षिकोत्सव होते थे पर ये मेले किसी एक दिन, हफ्ते, पखवाड़े में आयोजित न होकर स्थानीय लोगों, किसानों, मजदूरों की सुविधाओं के मद्देनजर अलग-अलग समय पर आयोजित होते रहते थे। जो भादवा महीने से शुरू होकर नवम्बर-दिसंबर तक आयोजित होते थे। खवासा, बामनिया, पेटलावद, रायपुरिया, थांदला जिले के प्रसिद्ध मेलों में शुमार थे। इन मेलों में तीन स्टेट की संस्कृति, परम्परा के दर्शन होते थे। पर ये मेले भी योजनाबद्ध तरीके से खत्म कर दिए गए। सब अपने-अपने राजनीतिक समीकरण बिठाने लगे और इसी संकुचित मानसिकता के चलते स्थनीय निकाय की नामित समिति का स्थान ठेकेदारों ने ले लिया। स्थानीय निकाय मेलों के आयोजन के ठेके देने लगी, यहीं से इन सांस्कृतिक मेलों का सरकारीकरण हो गया और लोग इनसे दूर होने लगे। झाबुआ उत्सव यदि यहां की संस्कृति, परम्परा में निखार लाने में सफल होता है, तो संतोष की बात होंगी। अन्यथा यह एक महज सरकारी कार्यक्रम बनकर ही न रह जाए। किसी सरकारी कार्यक्रम की क्या गत होती हैं, ये किसी से छुपी नहीं है। भय है कि, भगोरिया उत्सव आयोजन कहीं महँगे ठेकों की भेंट न चढ़ जाए। यह तो समय ही बताएगा कि, यह उत्सव कितना सफल होता है पर यह तय है कि, मौका परस्तों, ठेकेदारों, सप्लायरों के लिए यह उत्सव किसी अवसर से कम साबित नहीं होंगें। कहीं भगोरिया भी यहां के स्थानीय मेलों की तरह सरकारीकरण व ठेकेदारी का शिकार न हो जाए, अन्यथा भगोरिया का भी हश्र मेलों जैसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता। फोटोः- 1 क्र 41 खुशी व

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार का बड़ा कदम, बनेगी नई एजेंसी

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्रालय ने हथियारों के निर्माण और टेस्टिंग के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। रक्षा मंत्रालय ने यूनियन कैबिनेट को एक नोडल अंब्रेला बॉडी बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा है जो कि हथियारों की टेस्टिंग और प्रमाणन का काम कर सके। यह संस्था प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों द्वारा बनाए गए रक्षा उपकरणों का सर्टिफिक्रेशन करेगी।

इस वर्ष केंद्रीय बजट में इस बात का जिक्र किया गया था कि एक स्वतंत्र टेस्टिंग ऐंड सर्टिफिशन बॉडी बनाई जाएगी। भारत में निजी रक्षा उपकरण निर्माता कंपनियों के लिए यह बहुत बड़ा कदम साबित हो सकता है। इससे

प्राइवेट कंपनियों की तरफ से रक्षा उपकरण की सप्लाई भी बढ़ सकती है। यह नई संस्था इस बात का ध्यान रखेगी कि, कोई निजी कंपनी गलत तरीके से उपकरणों को प्रमाणित तो नहीं करवा रही है। ऐसा तो नहीं है कि किसी सरकारी लैबोरेटरी में गड़बड़ चल रही हो जिससे कि कम क्वालिटी वाले हथियारों को घरेलू इस्तेमाल या फिर निर्यात के लिए अनुमति मिल जाए। इस वर्ष बजट में रक्षा बजट का 68 फीसदी घरेलू उत्पादन के लिए निर्धारित किया गया है। प्राइवेट इंडस्ट्री इसका फायदा उठा सकती हैं। कई कंपनियों ने आरम्ड ड्रोन्स, ऑटोनोमस कॉम्बैट वीइकल, एयरक्राफ्ट इंजन, एसपीवी आदि का निर्माण भी शुरू कर दिया है।

युवा मोर्चा की कार्यकरणी घोषित होते ही भाजपा में मचा बवाल

सोशल मीडिया पर एक के बाद एक इस्तीफे देकर लगाए भाजपा जिलाध्यक्ष पर गंभीर आरोप

माही की गूंज, झाबुआ।

लक्ष्मण सिंह नायक भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के बाद से भाजपा में कुछ भी सही नही चल रहा है, विगत दो वर्षों से भाजपा में रोज नया बखेड़ा देखने को मिल रहा है। यौन शोषण के मामले में घिरे जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक भले ही प्रदेश संगठन के रहमोकर्म पर अपनी कुर्सी बचाने में सफल रहे हो, मगर संगठन की दृष्टि से भी जिलाध्यक्ष फेल हो गए है। अब तक कार्यकर्ताओ को एक जुट रखने में नाकामयाब रहे हैं , जिला भाजपा की कार्यकारिणी हो या फिर मंडलों की घोषणा या फिर ट्रांसफर नीति के समय गंभीर आरोप या सरकारी कार्यालयों में सामग्री सप्लाई का मामला हो या फिर प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा के बड़े नेताओं के जिले के दौरे पर अपनी ही पार्टी के बड़े नेताओं से विवाद, हर जगह जिलाध्यक्ष नायक अपने संगठन को नियंत्रण में नही रख सके। ये ही हालत जिले में भाजपा के मोर्चो के गठन में भी रही और विवाद हर जगह जुड़ा रहा । रविवार को युवा मोर्चा की जिलाकार्यकारणी सहित 17 मंडल अध्यक्षो की घोषणा में एक बार फिर भाजपा के जमीनी युवा कार्यकर्ताओ की भारी अनदेखी की गई जिस कारण एक बार फिर भाजपा और भाजपा के जिलाध्यक्ष के विरुद्ध विरोध के स्वर मुखर होने लगे।

कार्यकारणी में उचित स्थान नही मिलने पर पद से दिया इस्तीफ़ा , प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गंभीर आरोप

रविवार देर शाम जिला कार्यकारणी की घोषणा होते ही एक और कार्यकारणी में शामिल कई नामो पर विरोध होने लगा, तो जिलाकार्यकर्णी में उचित स्थान नही मिलने पर सोशल मीडिया पर ही पद छोड़ने का दौर शुरू हो गया। सबसे पहले पेटलावद के युवा नेता

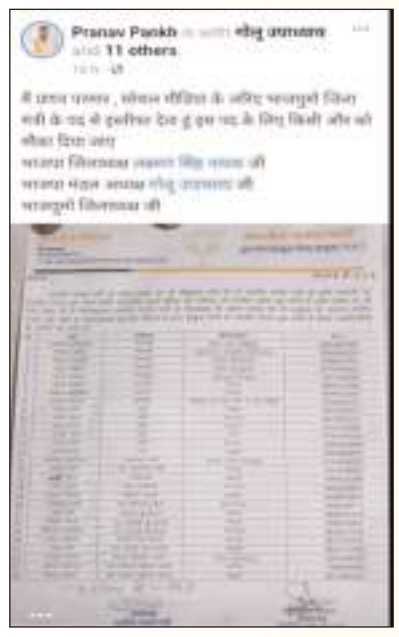

प्रियांश कटारिया ने संगठन में मिले नए पद सह पालिसी एंड रिसर्च से इस्तीफा दिया। इसके बाद थांदला प्रवण परमार जो कि जिला महामंत्री पद के प्रमुख दावेदार थे लेकिन उनको जिला मंत्री पद दिया गया जिससे असंतुष्ट प्रवण ने भी पद छोड़ने की घोषणा कर दी। राहुल पांचाल ने जिला कार्यसमिति सदस्य तो कुणाल पाटीदार जिला सह मीडिया प्रभारी पद छोड़ने की घोषणा सोशल मीडिया के माध्यम से कर दी। इससे पहले की युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान इनसे कोई बात कर मामला संभालते, मोर्चा जिला मंत्री प्रवण परमार के नेतृत्व में झाबुआ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा के द्वारा आयातित और पार्टी से दूरी बना कर बैठे निष्क्रिय लोगों को पद देने का आरोप लगाते हुए जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर गंभीर आरोप लगा दिए और पद छोड़ कर भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने की घोषणा कर दी ।

एक ही जगह से बना दिए दो जिला महामंत्री

विवादों में घिरी युवा मोर्चा की कार्यकरणी का सबसे बड़ा कारण जिला महामंत्री का पद है जिसकी आस कई युवा नेता लगा कर बैठे थे, लेकिन संगठन ने उनको मौका नही दिया ,जब नाम सामने आए तो विरोध और बढ़ गया। युवा मोर्चा के जिला महामंत्री के दोनों पद राजेश वसुनिया और प्रांजल भंसाली के रूप में थांदला को दे दिए गए, जिसका कड़ा विरोध शुरू हो गया। हालांकि जारी सूची में प्रांजल भंसाली को झाबुआ निवासी बताया गया लेकिन भंसाली अधिक समय अपने व्यवसाय के लिए थांदला में ही रहते है , प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी युवा नेताओ ने इस पद पर कड़ा एतराज दर्ज करवाया और भंसाली को निष्क्रिय कार्यकर्ता बताया। वही युवा मोर्चा की टीम में पेटलावद क्षेत्र की अनदेखी हुई। बामनिया, करवड़,रायपुरिया ,बरवेट,जामली जैसे गाँवो से युवाओं को मौका नही मिला जिससे कार्यकर्ताओ में रोष व्याप्त है। इस क्षेत्र में बैठे भाजपा के संगठन के बड़े पदाधिकारी अपने गाँव से युवाओ को आगे लाने में असमर्थ रहै। वही 17 मंडलों के अध्यक्ष की घोषणा में कई अंजान चेहरे सामने आए जिनके लिए सोशल मीडिया उनकी पहचान के सम्बध में उन्ही के मण्डल के भाजपा कार्यकर्ताओ ने सवाल पूछ लिए।

अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कलसिहं भाभर सहित कई बड़े नेताओं की अनदेखी

पूरी कार्यकरणी में अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कलसिहं भाभर, राजगढ़ नाका सहित कई बड़े नेताओं से जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक की दरार देखने को मिली जिसके चलते इन नेताओ के द्वारा दिये गए नामो को एकसिरे से खारिज कर लिस्ट से उनके नाम उड़ा दिए गए। राजनीतिक सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान ने सभी नेताओं के दिये नामो को जगह दी थी लेकिन जिलाध्यक्ष नायक ने अपनी मनमानी करते हुए कई नाम उड़ा दिये । युवा मोर्चे की पूरी कार्यकरणी भाजपा जिलाध्यक्ष नायक और उनके महामंत्री के इर्दगिर्द ही घूमती रही और पद्म वाद को तव्वजों दी गई।

पालिसी एंड रिसर्च पद के कारण युवा नेता बने हसी का पात्र, सोशल मीडिया पर खूब उड़ी खिल्ली

इस बार की युवा मोर्चा की जिला कार्यकरणी में संगठन ने तीन नए पद ईजाद किए जिसको पालिसी एंड रिसर्च पद का नाम दिया गया, इसके साथ दो पद सह पालिसी एंड रिसर्च के नाम से पद दिए गए। जिन युवाओं को ये पद मिले उनको सोशल मीडिया पर हंसी का पात्र बनना पड़ा। इसी पद से इस्तीफा दे चुके प्रियांश कटारिया ने बताया कि, इस पद पर रह कर क्या कार्य करना था इसकी कोई जानकारी नही है और भाजपा जिलाध्यक्ष नायक भी इस पद के बारे में कोई जानकारी नही दे सके, संगठन में मेरी उपेक्षा की गई इसलिए पद के दायित्व से मुक्त हो गया।

टीम की घोषणा के साथ ही हुए विवाद पर युवा मोर्चा अध्यक्ष कुलदीप चौहान ने कहा, सब को संतुष्ट करना मुश्किल है और सब की सहमति के साथ टीम की घोषणा की है जो कार्यकर्ता नाराज़ हुए है उनको भी साधने की कोशिश की जाएगी, बड़े भाजपा नेताओं की और से दिए नामों पर कुलदीप चौहान ने दबी जुबान से कहा कि हर चीज हमारे नियंत्रण में नही होती है ।

मातंगी धाम झाबुआ का गौरव विश्व में , यू-ट्यूब पर विश्व में 1 करोड़ से अधिक दर्शक

प्रधानमंत्री, महात्मा गांधी एवं अंबानी परिवार की कुलदेवी है माता मोढ़ेश्वरी

माही की गूंज, झाबुआ

शहर के राजगढ़ नाका पर कृषि विभाग के पीछे बालाजी धाम पर निर्मित मातंगी धाम की स्थापना हुए,16 वर्ष पूर्ण हो चुके है। हाल ही में इस धाम पर मां मोढ़ेश्वरीजी का 16वां पाटोत्सव मनाया गया था। तालाब के तट किनारे सुंदर एवं मनोरमी आभा लिए बालाजी धाम के समीप मातंगी धाम पर प्रतिदिन ना केवल झाबुआ जिले अपितु मप्र, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न शहरों से भी अनेकों भक्तजन समय-समय पर यहां दर्शन-पूजन करने आते है। मातंगी माता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ अंबानी परिवार की भी कुलदेवी है। बालाजी धाम पर मप्र की दूसरी नक्षत्र वाटिका भी है। बालाजी धाम ''नाम एक धाम अनेक'' के नाम से संपूर्ण प्रदेश में पहचाना जाता है।

जानकारी देते हुए मातंगी पारमार्थिक ट्रस्ट झाबुआ के प्रधान ट्रस्टी एवं एकीकृत ब्राह्मण महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी बताते है कि, मातंगी चालीसा का एल्बम झाबुआ मातंगी मंदिर से मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर रिलीज किया गया था। जिसमें रतलाम से पधारे गिनिज बुक ऑफवर्ल्ड रेकार्डर गिरीश शर्मा द्वारा गाई गई मातंगी चालीसा के यू-ट्यूब पर अपलोड होने के बाद अब

बालाजी धाम पर विराजमान मातंगी (मोढ़ेश्वरी) माता।

यू-ट्यूब पर मातंगी चालीसा के हुए 1 करोड़ से अधिक दर्शक।

तक पूरे विश्व से 1 करोड़ से अधिक विवर्स हो चुके है। यह मांतगी धाम और मातंगी पारमार्थिक ट्रस्ट के लिए गौरवमयी उपलब्धि है। आदिवासी अचंल झाबुआ में स्थित मातंगी धाम से रिलीज़ एलबम गाने वाले गिरीश शर्मा विश्व के पहले नंबर के पुरूष गायक है। जिनके मातंगी चालीसा के विवर्स एक करोड़ हो चुके है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ा रिकार्ड है।

गुगल पर भी उपलब्ध मातंगी चालीसा

यू-ट्यूब के साथ गुगल पर भी मातंगी चालीसा सर्च करने पर श्री शर्मा की चालीसा, जो झाबुआ स्थित मातंगी धाम से रिलीज़ हुई थी, संपूर्ण ब्यौरे के साथ आ जाएगी। ज्ञातव्य रहे कि मातंगी मोढ़ेश्वरी के भक्त आज न केवल भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में है। मातंगी धाम झाबुआ की इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए मातंगी धाम से जुड़े समस्त भक्तजनों में अत्यधिक हर्ष का विषय है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

पेटलावद की बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान, पाँच-पाँच हजार के चेक भी दिए

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद

पेटलावद की बेटियों को झाबुआ मे अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मे पेटलावद की दो बेटियों का भी सम्मान

गुनगुन मुलेवा महिला क्रिकेट खिलाड़ी

देवांशी चौधरी महिला क्रिक्रेट खिलाड़ी

हुआ। दो बेटियों मे पहली देवांशी महेंद्र चौधरी जो क्रिकेट की राष्ट्रीय खिलाडी हैं, मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। दूसरी गुनगुन प्रकाश मुलेवा जो क्रिकेट की राज्य स्तरीय खिलाडी है। दोनो ही बेटियों ने राज्य स्तर पर टीम को पुरे प्रदेश में पहले नम्बर पर पहुँचाने में अहम योगदान था । दोनो ही बेटियों के उक्त योगदान के लिए कलेक्टर द्वारा सम्मान पत्र के साथ पाँच-पाँच हजार की सम्मान निधि के चेक भी प्रदान किए गये। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय निजी गार्डन मनोकामना एम-2 पर किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, श्रीमती रूद्रीका मिश्रा, श्रीमती सलोनी जैन, एसडीएम श्रीमती अंकिता प्रजापति, जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती ममता चंगौड, आरटीओ श्रीमती कृतिका मोहटा, सहायक संचालक श्रीमती वर्षा चौहान, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती रौशनी डोडियार उपस्थित थे। इस आयोजन में अपराजिता कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं के आत्म रक्षा हेतु बालिकाओं को मार्शल आर्ट, जिसमें जूडो कराटे, ताई क्वांडों, कुश्ति एवं बॉक्सिंग का शुभारंभ किया गया। यहा पर कुमारी निधी त्रिपाठी द्वारा उत्कृष्ट प्रर्दशन कर सब का ध्यान आर्कषित किया। इस विधा की 10 बालिकाओं को 5 हजार रूपए व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मान किया गया। आयोजन में महिला खिलाडियों का सम्माना किया गया जिन्होने राज्य स्तर पर अपना परचम लहराया। इस आयोजन में 07 महिलाओं को प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गए एवं 06 महिलाओं को लोन के 10-10 हजार रूपए स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई एवं महिला के द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर अपने स्टॉल लगाए थे। मेंहदी प्रतियोगिता एवं रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। इस प्रतियोगिता मे अतिथियों के द्वारा प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया गया।

विधानसभा चुनाव 2018 व्यवस्था घोटाला....

जांच से असंतुष्ट शिकायतकर्ता मुख्य निर्वाचन अधिकारी भोपाल से जांच की लगाई गुहार

जांच से जिला कलेक्टर को दूर रखने की मांग के बाद भी कलेक्टर से ही करवाई गई थी जांच

माही की गूंज, झाबुआ।

वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में व्यवस्थाओं की राशि मे हुए भ्रष्टाचार के मामले में जांच करने वाले अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध ही रही जिन्होंने जांच में दिए गये बिंदुओं पर घुमा फिरा कर जबाब पेश कर मामले को रफ़-दफ़ कर दिया। आरटीआई कार्यकर्ता एवं शिकायतकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा इस मामले की जांच से जिला कलेक्टर को दूर रखने की मांग की थी जो जांच को प्रभावित कर सकते है, इसके बाद भी जांच जिला कलेक्टर को ही दी गई जिनके द्वारा जांच के दिए गए प्रतिवेदन में ये तक नही बताया गया कि, जांच के लिए गठित टीम में कौन-कौन था और जांच किस दिनांक को की गई। जांच में किन अधिकारीयो और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए इसका तक उल्लेख नही किया गया था। जांच से असंतुष्ट शिकायतकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी भोपाल को इस संबंध में लिखित शिकायत की गई जिसका अब तक कोई जबाब नही मिला है।

उच्च स्तरीय जांच टीम चार्टर्ड अकाउंटेंट की टीम बनाकर जांच करने की मांग

शिकायतकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा बताया गया कि, मेरे द्वारा 29 दिसम्बर 2020 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल को शिकायत दर्ज करवाई थी, शिकायत में संदेह व्यक्त करते हुए स्पष्ट लिखा था कि जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर झाबुआ से मेरी शिकायत और संलग्न दस्तावेजों की जांच नहीं करवाई जाए और कलेक्टर से ऊपर बैठे अधिकारी से जांच करवाई जाए, लेकिन जिला कलेक्टर द्वारा ही मामले की जांच कर उसे रफ़ दफ़ कर दिया गया। वही जांच दल और जांच दिनांक की जानकारी मांगने पर भी जानकारी नही दी जा रही है, उक्त मामला गंभीर है और देश की निर्वाचन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है इसलिए इस मामले की जांच उच्च स्तरीय जांच टीम चार्टर्ड अकाउंटेंट की टीम बनाकर जाच करवाए जाने की मांग की थी, जिसकी आज दिनांक तक कोई सुनवाई नही हुई है। शिकायतकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा 21 नवम्बर 2021 को एक शिकायती पत्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय अरेरा हिल्स भोपाल को भेज कर मांग की गई कि, उच्च स्तरीय जांच टीम बनाकर और चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफिसर को लेकर के जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लिखी गई समस्त नोट शीट, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल से प्राप्त राशि, खर्च राशि, समर्पित राशि, संबंधित विभाग

को दिए गए आदेश , नगर परिषदों , पंचायतों के अभिलेखों की जांच करवाई जाए और जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर झाबुआ द्वारा बनाए गए प्रतिवेदन को खारिज कर जांच के समय शिकायतकर्ता को भी पत्र जारी कर शामिल किया जाए ।

ये था मामला

विधानसभा चुनाव 2018 के लिए जिले के प्रत्येक बूथ पर यानी 973 बूथ पर 2500 रुपये के हिसाब से 24,32,500 रुपए दिए जाना थे, पोलिंग बूथों पर भोजन, चाय, नाश्ता आदि की राशि दीया जाना बताया गया है और प्रत्येक बूथ पर 2500 रूपये की राशि जारी की गई थी लेकिन वो बूथ की एजेंसी तक नही पहुँची। मुख्य निर्वाचन शाखा भोपाल से विधानसभा 2018 में 973 बुथों के लिए रंगाई-पुताई, लेखन कार्य 3 लाख 90 हजार , बिजली एवं जल प्रभार 15 लाख 12 हजार 980 , भोजन नास्ता 24 लाख 32 हजार 500 रुपए , आदि अन्य मदों के लिए लाखों रुपए की राशि जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर झाबुआ को दी गई थी। लेकिन आरटीआई में जानकारी सामने आई की राशि जिला निर्वाचन शाखा की और से नही बल्कि यह राशि स्थानीय एजेंसी, नगर परिषद और ग्राम पंचायतों द्वारा व्यव की गई।

मामले में शिकायत के साथ में संलग्न दस्तावेज में नगर परिषद राणापुर 1 लाख 15 हजार 650 रुपये 13 पोलिंग बूथों पर। झाबुआ नगर परिषद द्वारा 14 लाख 87 हजार 108 रूपये 34 पोलिंग बुथों पर। थांदला नगर परिषद द्वारा 2 लाख 42 हजार 678 रुपये 13 पोलिंग बुथों पर । मेघनगर नगर परिषद द्वारा 11 पोलिंग बूथों पर। पेटलावद नगर परिषद द्वारा 13 पोलिंग बूथों सहित 81 पोलिंग बुथों में लाखों रूपये की राशि पोलिंग बूथों पर मतदान समाप्ति तक व्यवस्थाओं को लेकर खर्च की गई थी और जिले की 892 ग्राम पंचायतों से संबंधित पोलिंग बूथों पर खर्च राशि की गई, जो राशि निर्वाचन शाखा झाबुआ द्वारा खर्च की गई राशि का भुगतान किया जाना था। आरटीआई में सभी एजेंसियों ने यही बताया कि चुनाव व्यवस्था पर खर्च की गई राशि के लिये जिला निर्वाचन की और से कोई राशि प्राप्त नही हुई है पूरी राशि स्वयं के मद से वहन की गई।

अभिलेख भी किए गये थे प्रस्तुत, भ्रामक जानकारी बना कर दबाया गया मामला

आरटीआई कार्यकर्ता ने बताया कि, शिकायत के साथ प्रमाणित अभिलेख भी प्रस्तुत किए गये थे लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर झाबुआ द्वारा शिकायत के मुख्य बिंदुओं पर जांच नहीं करते हुए भ्रामक और गलत जांच कर जाच प्रतिवेदन बनाया। जो जांच के आदेश के 7 माह बाद भोपाल से प्राप्त राशि और नगर परिषद और पंचायतों के बिना अभिलेखों को देखकर जाच प्रतिवेदन बनाया गया जो गलत हो कर संदेह के घेरे में है जिसकी पुनः जांच की जावे। जिला निर्वाचन अधिकारी झाबुआ द्वारा बनाए गए जांच प्रतिवेदन में यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि उनके द्वारा किस दिनांक को अपनी नोट शीट पर जांच टीम बनाकर जांच करने के लिए आदेश दिए गए हैं। जांच प्रतिवेदन में यह भी स्पष्ट नहीं हो रहा है कि किस अधिकारी और उनके सहयोगी दल द्वारा और किस दिनांक को जांच की गई है। जांच प्रतिवेदन देखने से ही स्पष्ट होता है कि संबंधित शिकायत के बिंदुओं की जांच और अभिलेखों को नहीं देखते हुए संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अधिकारियों को बचाते हुए जांच की गई है जिससे स्पष्ट हैं कि जांच प्रतिवेदन कार्यालय में बैठकर बनाया गया है और दिए गये दस्तावेजों पर जांच नहीं करते हुए एक फर्जी जांच प्रतिवेदन बनाकर दिया गया।

आवास की राशि भुगतान के लिए रोजगार सहायक ने हितग्राही से ली रिश्वत

सरपंच-सचिव की स्वीकृति के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, समझौते के बाद भी नहीं दी राशि

माही की गूंज , पेटलावद/करवड़

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत करवड़ में कुछ माह पूर्व रोजगार सहायक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के ग्राम सुल्तानपूरा के हितग्राहियों को राशि के भुगतान के 15 हजार रुपये प्रति हितग्राही से रिश्वत के रूप में वसुली के आरोप लगा कर शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसकी जाँच के बाद मामले में रोजगार सहायक द्वारा राशि लिया जाना पाया भी गया था लेकिन रोजगार सहायक ने सभी शिकायतकर्ताओ से समझौता कर राशि वापस देने का वादा किया था, जिस पर शिकायतकर्ताओ ने अपनी शिकायत वापस ले ली लेकीन राशि नही दी ।

फिर की शिकायत

शिकायत खत्म कर कार्यवाही से बचने के लिए ग्राम पंचायत करवड़ की रोजगार सहायक संगीता राकेश सिनम ने हितग्राहियों से समझौता कर राशि का भुगतान करने का तो कह दिया, लेकिन भुगतान नही किया जिसपर जनपद सीईओ पेटलावद को दोबारा शिकायत दर्ज करवाई है। ग्राम सुल्तानपुरा के फुला कालू सोलंकी और हिरजी नानजी सोलंकी ने शिकायत में बताया कि, हमारे नाम पर भारत शासन की योजना में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ, उक्त आवास स्वीकृत होने पर आवास की राशि मेरे खाते में डालने के लिये रोजगार सहायक संगीता सीनम द्वारा हमसे पन्द्रह हजार रूपयें लिए हैं इस बाबद जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के समक्ष शिकायत करने पर रोजगार सहायक संगीता सीनम द्वारा हमको धमकी दी जा रही है कि, शासन की किसी योजना का लाभ नही मिलेगा, ग्राम पंचायत के अन्य हितग्राहीयों से भी आवास स्वीकृति के रूपयें लिये गए हैं।

सरपंच-सचिव के बयान में राशि वसूलने की पुष्टि , दोबारा शिकायत पर हुआ बड़ा खुलासा

रोजगार सहायक द्वारा राशि लिए जाने की पूर्व में शिकायत हुई थी जिसकी जांच में ग्राम पंचायत के सरपंच(प्रधान) और सचिव द्वारा भी रोजगार सहायक द्वारा आवास की किश्त के भुगतान के लिए राशि लेने की बात स्वीकार की थी, जिसका खुलासा मामले में दोबारा शिकायत में हुआ । गूंज के हाथ दिनांक 27नवम्बर 2021 का एक पत्र शिकायतकर्ता के माध्यम से लगा है जो कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी पेटलावद की और कार्यवाही के लिए जिला सीओ झाबुआ की और प्रेषित किया गया था। जिसकी प्रतिलिपि जिला कलेक्टर , अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद के साथ शिकायतकर्ता हिरजी सोलंकी को भी भेजा गया था। पत्र क्रमांक/आवास/2021/3275 में बताया कि, रोजगार सहायक संगीता सिनम द्वारा आवास की राशि के जियो टैग के लिए राशि की मांग की शिकायत की गई, जिसमें ग्राम

पंचायत सरपंच और सचिव से स्पष्टिकरण मांगा गया था, जिसमे ग्राम पंचायत की प्रधान द्वारा दिये गए लिखित कथन में राशि की मांग का उल्लेख किया गया है। जिसमें प्रत्येक जियोटेग के दौरान 5-5 हजार रूपये रोजगार सहायक द्वारा प्राप्त करने की बात कही गई। जबकि सचिव के कथन द्वारा राशि की मांग होने की सूचना प्राप्त हुई थी किन्तु इस प्रकार राशि लेने का कोई प्रमाण नही है । प्रधान एवं सचिव के बयान के आधार पर कार्रवाई के लिए पत्र जांच दस्तावेजो और कथन के साथ भेजा गया था, जिस पर कोई कार्यवाही जिला सीओ द्वारा नही की गई।

लेंन-देंन कर दबाया मामला , प्रमाण होने के बाद भी क्यों नही की गई कार्रवाई...?

जिले में भ्रष्टाचार किस कदर हावी है, शिकायत और जांच के नाम पर कैसी बंदरबाट चल रही है, ग्रामीणों की शिकायत के बाद केंद्र द्वारा संचालित आवास योजना में वसुली के प्रमाण मिलने और लिखित शाक्ष होने के बाद रोजगार सहायक पर कोई कार्रवाई नही की गई और रोजगार सहायक द्वारा हितग्राहियों को राशि लौटने का झांसा देकर रोजगार सहायक ने शिकायतकर्ताओं से लिखित में लेकर शिकायत बन्द करवा दी।यहा बड़ा सवाल ये उठता है कि जिले और विकासखण्ड में बैठे अधिकारियों के संज्ञान में मामला जाने के बाद भी जिला पंचायत के अधिकारी ने इस मामले को रफ़-दफा कर दिया। बताया जा रहा है इस मामले में जिले के बड़े अधिकारी अपने हाथ सेक कर बड़ी वसुली कर मामला फाइलों में दबा दिया।

संबल योजना का लाभ दिलाने के नाम पर भी रोजगार सहायक ने लिए 12 हजार

शासन की और से दी जाने वाली किसी भी सुविधा में ग्राम पंचायत के जवाबदार अपना फायदा ढूंढ ही लेते हैं और हितग्राहीयो पर योजना का लाभ नही मिलने और अधिकारियों तक राशि देने और राशि स्वीकृत करवाने का हवाला देकर योजना का लाभ हितग्राहियों को मिलने से पहले ही खुद की वसूली कर लेते हैं। विकास खण्ड की एक और ग्राम पंचायत मोइचारणी के रोजगार सहायक ने मृतक के परिवार को संबल योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 12 हजार वसूल लिए मामले की शिकायत जनपद सीईओ को की गई हैं। शिकायतकर्ता तोलु वसुनिया निवासी करणगढ़ ने बताया कि, गत वर्ष सितंबर माह में उसकी माता झुमली वसुनिया का निधन हुआ था शासन की और से मिलने वाली संबल योजना में दो लाख रुपये मृतक के परिवार को मिलना थे जिसका लाभ दिलवाने के लिए ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक चेनसिंह गरवाल ने सीईओ साहब को देने पर राशि जल्दी मिल जाएगी बोल कर 12 हजार रुपये ले लिए। उक्त राशि नही होने पर पत्नी की रकम बेच कर पैसे रोजगार सहायक को दिए। लेकिन 05 माह बीत जाने के बाद भी योजना का लाभ नही मिला रोजगार सहायक से पूछने पर उसके द्वारा कोई जानकारी नही दी जा रही है । विकास खण्ड की कई पंचायतो में इस प्रकार के मामले सामने आ रहे हैं लेकिन शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नही होने के कारण योजना का लाभ देने के नाम पर लगातार हितग्राहियों से वसुली की जा रही है।

कन्या शाला राणापुर

कुंदनपुर महिला दिवस पर निकाली रेली

महिला दिवस पर छात्राओं को अपराध से सावधान रहने की दी समझाइश

माही की गूंज , राणापुर/कुन्दनपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कन्या शाला राणापुर थाना प्रभारी कैलाश चौहान , उनि.केसी.सीरवी एवं कुंदनपुर चौकी प्रभारी पल्लवी भाबर ने जाकर साइबर क्राइम से सावधान , महिला हेतु साइबर अपराध से बचने के लिए क्या करें और क्या ना करे के बारे में समझाइस दी। जिला पुलिस सुरक्षा हेतु बिंदुवार झाबुआ पुलिस द्वारा छापे गये पर्चे भी छात्राओ को वितरित किये। राणापुर टीआई ने कहा पुलिस अधीक्षक झाबुआ के निर्देश अनुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को पर्चे के माध्यम से महिलाओं में जागरूकता एवं उन्हें मुसीबत आने पर क्या करें और क्या ना करें के बारे में बताया गया।

महिला दिवस पर निकाली रेली-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन रानापुर के गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कुन्दनपुर के ग्राम संघठन भवन पर रैली निकालकर किया गया। जिसमें उपस्थित आजीविका मिशन की युवा सलाहकार खुशबू चौहान ने कार्यक्रम का संचालन किया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य कविता तिवारी ने बेटियो को पढ़ाने पर जोर दिया। कुंदनपुर चौकी प्रभारी पल्लवी भाबर ने महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति, दहेज प्रथा और हिंसा के विरुद्ध जागरूक, साइबर क्राइम से सावधान, महिला हेतु साइबर अपराध से बचने के लिए क्या करें और क्या ना करें कि जानकारी दी। संजय सोलंकी, आजीविका मिशन प्रभारी रानापुर द्वारा समूह गठन एवं नियमित संचालन के लिए कहा गया।

महिला दिवस के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ पर मातृशक्ति ने किया दीप यज्ञ

माही की गूंज , पेटलावद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को गायत्री शक्तिपीठ पेटलावद पर दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में गायत्री परिजन मौजूद रहे। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा महिला सशक्तिकरण वर्ष का प्रारंभ किया गया है। इसी

तारतम्य में पेटलावद शक्तिपीठ पर दीप यज्ञ का आयोजन मातृशक्ति द्वारा किया गया।

गायत्री परिवार के समस्त मातृशक्ति एवं परिजन भाई ने दीप यज्ञ के माध्यम से इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया ओर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को शुभकामनाएं दी।

दुरस्त रहे यातायात व्यवस्था को लेकर नगर में जा कर दी समझाइश

माही की गूंज,थांदला

लंबे समय के बाद गूंज की प्रकाशित खबरों के बाद शांति समिति की बैठक में निर्णय के पश्चात थाना प्रभारी आखिरकार नगर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था, बढ़ते अतिक्रमण, आवारा मवेशियों के आतंक को दुरस्त करने के लिए नगर के प्रमुख मार्गों पर दल-बल के साथ नगर में पेदल भ्रमण कर दुकानदारों को समझाई देती नजर आई। पुलिस प्रशासन ने नगर के व्यापारी, ठेला व्यवसायी को समझाइश देते हुए अपनी दुकानों को रोड पर ना लगाने व यातायात में अवरोध पैदा ना हो इस तरह की समझाइश देते हुए नगर के प्रमुख मार्ग पीपली चौराहा, आजाद चौक, जवाहर मार्ग, अस्पताल चौराहा, गांधी चौक आदि स्थानों पर दुकानदारों, आमजनों

को समझाइश देकर रोड पर सामान ना रखें और अतिक्रमण ना करें क्योंकि आगे भगोरिया हाट व होली के त्यौहार के मद्देनजर रखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार किया जा सके जिसके कारण कोई दुर्घटना घटित ना हो और ट्रैफिक जाम की स्थिति ना बने। समझाइश देने के पश्चात सड़कें अतिक्रमण मुक्त हो चुकी थी, बेतरतीब पार्किंग भी पूरी तरह से खाली पड़ा था इसे देखते ही लग रहा था कि अब यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से हो सकेगी और नगर में जाम की स्थिति नहीं बनेगी, आमजनों ने पुलिस प्रशासन को समय-समय पर यातायात व्यवस्था को इसी तरह सुचारु करने के लिए कहा गया है।

संकुल स्तरीय टीएमएल प्रतियोगिता एवं मेला का आयोजन

माही की गूंज, सारंगी

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार उ.मा.वि. संकुल सारंगी पर टीएमएल मेले का आयोजन जन शिक्षक राकेश शर्मा एव धिरजी डामर द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। संकुल के विभिन्न विद्यालयो से शिक्षको,

अतिथि शिक्षको, प्रभारियों ने सामग्री का प्रदर्शन किया एव टीएमएल उपयोग के फायदे और कैसे उपयोग करना बताया। श्रीमती रजनी डामोर एव् मुकेश बैरागी द्वारा बनाए गए टीएमएल की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन तरुण बैरागी द्वारा किया गया।

भगोरिया उत्सव को धूमधाम से मनाने को लेकर हिंदू युवा जनजाति संगठन की बैठक संपन्न

माही की गूंज, थांदला

आगामी भगोरिया उत्सव को धूमधाम से मनाने को लेकर हिंदू युवा जनजाति संगठन थांदला के कार्यकर्ताओं ने नई मंडी थांदला में बैठक रखी गई। जिसमें सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए। सह संगठन मंत्री अकलेश रावत ने कहा कि, थांदला में आने वाले 15 मार्च मंगलवार को जनजाति आदिवासी संस्कृति, परंपरा रीतिरिवाज, वाद्ययंत्र और पहनावे, ढोल मांदल पर नाचते हुए पूरे नगर में संगठन के बैनर तले भव्य जुलूस के साथ भगोरिया पर्व

मनाया जाएगा। भगोरिया पर्व से हम आदिवासियों की पहचान है, यह संदेश पूरे देश और प्रदेश भर में जाना चाहिए ओर इतनी ही उत्सुकता के साथ धूमधाम से भगोरिया पर्व मनाएगे। बैठक में सह संगठन मंत्री अकलेश रावत, जिला कार्यकारणी सदस्य सरसू भटेरा, सोनू वसुनिया, थांदला ब्लॉक अध्यक्ष अनिल मचार, मुकेश भूरिया, महेश अमलियार, विपीसिंह मचार, निलेश निनामा, उमेश मेडा, मोहन सोलंकी, राजू सोलंकी, चंदन कटारा, नितेश, निलेश वसुनिया, प्रकाश, अनिल, अमित डामोर एवं नारी शक्ति में रानू वसुनिया, भगवती कटारा, आशा खड़िया आदि समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थें।

एक म्यान में हुई दो तलवार ...

प्रभारी प्राचार्य ने लिया एकलव्य का चार्ज , योगेन्द्र प्रसाद ने भोपाल के आदेश का हवाला देकर चार्ज देने से किया मना

एकलव्य स्कूल मामले में सरकार की हो रही किरकिरी, सरकार और प्रशासन को चुनौती दे रहा प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद

माही की गूंज, पेटलावद

पिछले माह प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल के झाबुआ दौर के दौरान पेटलावद विकास खण्ड के एकलव्य आवसीय परिसर में चल रहे कार्यक्रम के दौरान स्कूल की छात्राओं ने छात्रवास की अव्यवस्था, घटिया खाना और स्कूल परिसर में पत्थर बिनवाने के आरोप राज्यपाल के सामने लगाए थे। जिसके बाद पहले होस्टल अधिक्षका और फिर प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद को कमिशनर इंदौर द्वारा निलंबित कर दिया गया था। प्राचार्य के निलंबन के दो दिन बाद भोपाल मंत्रालय से एक और आदेश आया जिसमे प्राचार्य प्रसाद का स्थानांतरण मंडला जिला कर दिया गया था। जिला प्रशासन ने निलंबित प्राचार्य के स्थान पर संस्था का प्रभार नितिन परमार को दे दिया।

स्कूली छात्राओं को उतारा सड़क पर, प्राचार्य ने प्रशासन पर बनवाया दबाव

राज्यपाल के सामने संस्था की पोल खोलने वाले छात्र-छात्राओं ने कुछ ही दिन में पासा पलटते हुए सड़क पर उतर कर चक्का जाम कर संस्था प्राचार्य पर लगाये आरोप से बदल गए। हालांकि पूरे मामले में प्राचार्य प्रसाद की भूमिका संदिग्ध थी और पूरा प्रर्दशन उनके द्वारा ही प्रायोजित नजर आ रहा था। क्योंकि जिस संस्था में बच्चों सहित किसी को भी प्रवेश और बहार निकलने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है, वहा के बच्चे बिना प्राचार्य की अनुमति के सड़क पर आए ये मुमकिन नही। ज्ञापन के दौरान भी प्राचार्य बच्चों को काम हो गया अंदर चलो कहते नजर आये। प्राचार्य प्रसाद का किसी भी प्रकार की कार्रवाई से बचने का ऐसा पुराना तरीका है और वो समय-समय पर बच्चों, पालको और संस्था शिक्षकों का उपयोग कर प्रशासन के सामने खड़े होकर अपना बचाव करने में सफल होते रहे। चुकि इस बार मामला राज्यपाल सहित पूरे जिला प्रशासन के सामने आया इसलिए बच्चों को पेटलावद या झाबुआ के अधिकारियों के पास ले जाने की जगह संस्था के बहार ही प्रदर्शन करवा कर प्रशासन पर दबाव बनवाया।

दोनों प्राचार्य दे रहे एकलव्य में कार्य करने की सूचना, अधिकारियों की उपस्थिति में लिया नए प्राचार्य ने प्रभार

एकलव्य विद्यालय में अब एक म्यान में दो तलवार की स्थिति निर्मित हो गई। यहां से निलंबित प्राचार्य संस्था छोड़ना नही चाहते, वही प्रभारी प्राचार्य नितिन परमार को प्रभार नही लेने दे रहे थे। जब प्रभार लेने संस्था में पहुँचे नितिन परमार खाली हाथ वापस लौटे, जिसके बाद नितिन परमार द्वारा अधिकारियो को स्थिति से अवगत करवाया तब कही जा कर खंण्ड शिक्षा अधिकारी ने जाकर ज्वायनिंग देकर खण्ड शिक्षा कार्यालय व जिले पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इधर प्रभारी प्राचार्य ने प्रभार लिया उसके तुरंत बाद पूर्व प्राचार्य जिनके संबंध मे दो आदेश जारी हुए थे, पहला आदेश इंदौर से जिसमे प्राचार्य को निलंबित किया था व एक और आदेश भोपाल से जारी हुआ था, जिसमे प्राचार्य को मंडला स्थानांतरित किया गया था व वर्तमान सत्र मे कार्य करते रहने का था।

नितिन परमार के ज्वाइन होते ही प्राचार्य प्रसाद ने दूसरे आदेश के परिपालन में वर्तमान में भी एकलव्य मे सेवा देते रहने की सूचना खंड शिक्षा कार्यालय को देकर प्रशासन को लिखित में भेज दी।

अधिकारी एक दूसरे की खोल रहे पोल , भ्रष्टाचार आ रहा सामने, सरकार की हो रही किरकिरी

राज्यपाल के सामने हुए विवाद ने अब प्रशासन के अधिकारियों के बीच के आपसी विवाद को जन्म दे दिया, दोनों अधिकारी अब एक-दूसरे की पोल खोलने पर उतारू है, जिससे बड़े भ्रष्टाचार उजागर हो रहे हैं। प्राचार्य प्रसाद ने सहायक आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाते हुए बिना सामग्री दिए फर्जी भुगतान करने का आरोप लगाया है। बिल स्वीकृत नही कर सहायक आयुक्त द्वारा द्वेषता रखते हुए जांच में गुमराह किया है। वही सहायक आयुक्त प्रशांत आर्य का कहना है कि, संस्था में आने वाली किसी भी सामग्री की खरीदी संस्था द्वारा ही की जाती है, उसी के द्वारा ऑर्डर दिया जाता है। हमारा कार्य भुगतान करने का है हमारे द्वारा किसी बिल के भुगतान के लिए दबाब नही बनाया गया। जो भी हो इस तरह से संस्था से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं, इसमें सरकार की भारी किरकिरी हो रही हैं । प्राचार्य के निलंबन आदेश विभाग के साथ-साथ डाक द्वारा भी संस्था में पहुँच चुके हैं इसके बाद भी प्राचार्य प्रसाद ने संस्था नही छोड़ी ओर उस आदेश के परिपालन में कार्य किया जा रहा है जो भोपाल से आया है।

प्रभारी प्राचार्य नितिन परमार ने चार्ज लेने का तो निलबित प्राचार्य प्रसाद ने एकलव्य संस्था में ही कार्य करने के अपने-अपने पत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी को किया प्रेषित

जिला कलेक्टर जिम्मेदार ...?

इस मामले में प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद के सहायक आयुक्त प्रशांत आर्य के साथ-साथ जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा की जिम्मेदारी तय होना चाहिए क्योंकि संस्था क्रेंद्र सरकार के माध्यम से संचालित हो रही है। जिला कलेक्टर इस संस्था के अध्यक्ष भी है, राज्यपाल के दौरे से पूर्व तीन दिन तक जिला कलेक्टर संस्था में व्यवस्था खुद देख रहे थे फिर भी बच्चों की समस्या उन तक नही पहुँची, ये विचारणीय है।

जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस संबंध में बताया कि, मंत्रालय से जारी हुए आदेश में कमिश्नर कार्यालय से जारी आदेश की जानकारी नही थी, राज्यपाल के सामने जो कुछ हुआ उसकी जांच स्थानीय प्रशासन और संभाग की टीम द्वारा की गई, जिसके आधार पर निलंबन किया गया हैं। सारी स्थितियों से विभाग को अवगत करवाया जा रहा है, प्राचार्य के फर्जी बिल भुगतान मामले में जिला कलेक्टर का कहना है, इस प्रकार की कोई लिखित शिकायत मेरे पास नही आई है न ही प्राचार्य ने इस विषय मे कोई बात नही हुई है, यदि शिकायत आती है तो जांच दल बना कर इसकी भी जांच की जाएगी। आने वाले दिनों में इस मामले में और पेच फसेंगे और राजनीति भी जमकर होगी फिलहाल प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद सरकार और प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं।

संपादकीय

जवानों की मानसिक सेहत पर ध्यान दे सरकार

अमृतसर में सीमा सुरक्षा बल के एक शिविर में एक जवान द्वारा चार साथियों की हत्या के बाद आत्महत्या करने की घटना विचलित करती है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीएसएफके एक जवान ने अपने साथी की हत्या करने के बाद खुद को गोली मार ली थी। इसी तरह बीते वर्ष छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सीआरपीएफ के चार जवानों की एक जवान ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ये तमाम घटनाएं न केवल हमें परेशान करती हैं बल्कि अर्द्धसैनिक बलों के जवानों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की जरूरत बताती हैं। दरअसल, नए जमाने के पढ़े-लिखे जवान अपनी कार्य परिस्थितियों से सामंजस्य स्थापित नहीं कर पा रहे हैं। वे तनाव, अवसाद व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों से संयत ढंग से नहीं निबट पा रहे हैं। ऐसे में इस समस्या से निजात के लिए उठाए गए कदमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन भी जरूरी हो जाता है। दरअसल, वर्ष 2021 में घटी घटना के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स ने संगठन के अधिकारियों को सलाह दी है कि, जवानों के मानसिक तनाव की संवेदनशील ढंग से निगरानी की जाए। गंभीर चुनौती यह है कि, सीआरपीएफमें सहकर्मियों के घात के 13 मामलों में वर्ष 2018 के बाद कम से कम 18 जवानों की जान जा चुकी है। दरअसल, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफसाइकोलॉजिकल रिसर्च ने जवानों के मध्य पैदा होने वाले तनाव के कारकों का पता लगाने के लिए कई अध्ययन किए हैं। उसने इस समस्या के निदान के लिए कई सिफारिशें पेश भी कीं जिसमें जवानों को दी जाने वाली छुट्टी की प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने, काम के दबाव को कम करने, एक जगह तैनाती के कार्यकाल में कमी, वेतन-भत्तों व रहने की स्थिति में सुधार, अधिकारियों व जवानों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने, तनाव प्रबंधन तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की जरूरत पर बल दिया गया।भविष्य में इस तरह की आत्मघात-प्रतिघात की घटनाओं में वृद्धि न हो, जवानों के मध्य मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ाने पर भी बल दिया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने योग व ध्यान की कक्षाएं लगाने पर बल दिया है। जवानों के कल्याण से जुड़ी बैठकों का निरंतर आयोजन तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मामलों के निपटारे के लिये जवानों हेतु हेल्पलाइन शुरू करने को कहा गया। कुल मिलाकर अर्द्धसैनिक बलों के लिए ऐसा स्वस्थ वातावरण बनाने पर बल दिया गया कि, जिसमें वे तनावमुक्त होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। हालांकि, इन उपायों के अनुपालन पर लगातार बल दिया जाता रहा है लेकिन इस बात का मूल्यांकन जरूरी हो जाता है कि, जमीन पर ये उपाय कितने प्रभावी हैं। निःसंदेह, जिन कठिन परिस्थितियों में ये जवान काम करते हैं, विभागीय जटिलताएं इन्हें हताश करती हैं। यदि हम समस्या का समय रहते मनोवैज्ञानिक उपाय करें, तो इस तरह की हिंसा की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही वे विषम परिस्थितियों में भी उत्साहपूर्वक अपनी ड्यूटी को अंजाम दे सकते हैं। दरअसल, जवानों की समस्या को संवेदनशील ढंग से सुना जाना चाहिए। बातचीत के जरिये तनाव कम करें। जो अधिकारी अपने अधीनस्थों के उत्पीड़न व रूखा व्यवहार करने में लिप्त रहते हैं, उन्हें सुधरने के लिये कड़ी चेतावनी दी जानी चाहिए। यदि वे इस दिशा में ठोस पहल नहीं करते तो उनके खिलाफदंडात्मक कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। अनुकरणीय कार्रवाई समस्या के निवारक के रूप में कार्य करेगी। तभी सभी स्तरों पर जवान व अधिकारी सामंजस्य के साथ काम करेंगे। सेवानिवृत्त पैरामिलिट्री बल कल्याण संगठन के अनुसार पिछले एक दशक में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों में इक्कासी हजार जवानों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। वहीं वर्ष 2011-20 के बीच करीब सोलह हजार जवानों ने अपनी नौकरी से त्यागपत्र दिया। जाहिर है जटिल इलाकों में तैनाती, परिवार से दूरी, समय पर अवकाश न मिलना, अधिकारियों का सख्त व्यवहार, आपदाओं में तैनाती से जवान लगातार शारीरिक-मानसिक रूप से थक जाते हैं। इन समस्याओं के समाधान से ही जवानों की हिंसक प्रतिक्रिया पर लगाम लगाई जा सकती है।

राष्ट्रभक्ति का पाठ क्या सिर्फ़ जनता के लिए... ?

-निर्मल रानी

विगत पांच फ़रवरी को हैदराबाद के निकट संत रामानुजाचार्य की 216 फुट ऊंची विशालकाय प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। वैष्णव संत रामानुजाचार्य की 1000 वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुरू हुए इस विशाल आयोजन में 2 से 14 फ़रवरी तक प्रतिदिन 1,035 कुंडों के साथ 14 दिनों तक महायज्ञ किया गया। इस आयोजन में प्रधानमंत्री के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत व मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराज चौहान सहित अनेक क़द्दावर ÷राष्ट्रभक्त नेताओं÷ ने भी शिरकत की। इस आयोजन में उपस्थित संत जनों के अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत व शिवराज चौहान की वेश भूषा पर यदि ग़ौर करें तो मोदी, भागवत व चौहान भी कोई महान संत व त्यागी महात्मा प्रतीत हो रहे थे। मोदी तो बाक़ायदा अपने माथे पर रामानंदी अखाड़े के साधू संतों द्वारा धारण किया जाने वाला विशाल 'रामानंदी तिलक' लगाए हुए थे। वे पहले भी कई बार भारत के कई मठों मंदिरों से लेकर काठमाण्डू के पशुपतिनाथ मंदिर तक में साधू संतों के वेश में नज़र आ चुके हैं। आयोजन को देखकर वास्तव में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यह विशाल व अत्यंत ख़र्चीला आयोजन पूर्णतयः 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' से ओत प्रोत है।

परन्तु देशवासियों को यह जानकार आश्चर्य होगा कि, संत रामानुजाचार्य की स्टील तथा पंचधातु से निर्मित इस 216 फुट ऊंची प्रतिमा की ढलाई का काम चीन की एरोसन कारपोरेशन नामक एक कंपनी द्वारा किया गया है। बताया जा रहा है, इस के निर्माण पर 135 करोड़ रूपए की लागत आई है। इसे 1600 अलग-अलग टुकड़ों में ढालकर चीन से भारत के हैदराबाद में लाया गया, जहाँ प्रतिमा के इन टुकड़ों को जोड़कर संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफइक्वलिटी' का भव्य एवं विराट रूप दिया गया। यह प्रतिमा उसी चीन में निर्मित की गई है जो कभी लद्दाख़ कभी पेंगोंग कभी अरुणाचल प्रदेश तो कभी डोकलाम तो कभी तिब्बत व नेपाल के सीमान्त इलाक़ों से भारत घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। विस्तारवादी नीति अपनाने वाले इसी चीन के सैनिकों के साथ हमारे देश के सैनिकों की सीमा पर अनेक बार हिंसक मुठभेड़ भी हो चुकी है। और ऐसी घटनाओं के बाद अनेक बार ज़िम्मेदार सत्ताधारी 'राष्ट्रवादियों' की ओर से यह अपील भी की जा चुकी है कि 'भारतवासी चीनी सामग्री व चीनी हितों को साधने वाली किसी भी व्यवस्था का बहिष्कार करें।' भारत-चीन के मध्य तनाव के बीच अनेक अतिउत्साही 'राष्ट्रवादी' जगह-जगह चीन निर्मित सामानों की 'होली' जलाते भी दिखाई दे जाते हैं। कभी सरकार भी कुछ चीनी ऐप आदि प्रतिबंधित कर प्रतीकात्मक रूप से देश की जनता को यह संदेश देने की कोशिश करती है कि सरकार भी चीन का 'बहिष्कार' कर रही है। हैदराबाद में स्थापित की गई संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा चीन निर्मित कोई पहली प्रतिमा नहीं है। इससे पहले अक्टूबर 2018 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही हाथों गुजरात के नर्मदा तट पर लोकार्पित की गई सरदार बल्लभ भाई पटेल की लगभग तीन हज़ार करोड़ रूपए लागत की 182 मीटर ऊँची प्रतिमा भी चीन में ही निर्मित की गई है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' नामक सरदार पटेल की इस मूर्ति में भी चार धातुओं का उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा में 85 प्रतिशत तांबे का इस्तेमाल किया गया है। इसी प्रतिमा के निर्माण के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से पुराना लोहा मांगा था और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशेषकर किसानों से लोहा इकठ्ठा कर गुजरात भेजा था। सरदार पटेल जैसे देशभक्त व स्वदेशी की वकालत करने वाले लौह पुरुष की प्रतिमा चीन से बनकर आयेगी शायद सरदार पटेल ने कभी सोचा भी नहीं होगा। केवल प्रतिमायें ही नहीं बल्कि सरकारी स्तर पर किये जाने वाले अनेकानेक सजावटी कामों में भी चाईनीज़ लाइट्स व एल ई डी का भरपूर इस्तेमाल होते देखा जा सकता है। दिल्ली-मेरठ हाईवे पर दिल्ली से प्रवेश करते ही आपको दोनों और खंबों पर तिरंगी रौशनी बिखेरती एल ई डी नज़र आएगी। इनमें लगभग आधी तो जलती ही नहीं हैं। देश के अनेक पार्क,पुल,फ़्लाई ओवर आदि इन्हीं चाइनीज़ लाइट्स से सजे हुए हैं। यह सब वही सामग्री है जिसके बहिष्कार के लिये देशवासियों से बार बार कहा जाता है। गणतंत्र दिवस के दिनों विशेषकर बीटिंग रिट्रीट के दिन राष्ट्रपति भवन,साऊथ व नॉर्थ ब्लॉक जिस रंग बिरंगी रौशनी की छटा बिखेरता है और जिसे देखने के लिये लाखों पर्यटक व देशवासी दिल्ली आते हैं वह सारी विद्युत सामग्री व उपकरण भी चीन निर्मित आयातित ही होते हैं। जिन बड़ी बड़ी योजनाओं व निर्माण कार्यों के ठेके चीन को दिये जा रहे हैं उनकी तो बात ही अलग है।

उधर दूसरी तरफ़ यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न मंचों से 'आत्म निर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फ़ॉर लोकल' जैसे लोकलुभावने नारों को भी बुलंद करते रहते हैं। आख़िर क्या वजह है कि, विगत आठ वर्ष से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व करने के बावजूद अभी तक स्वयं सत्ता से जुड़े लोग ही इतने भी 'वोकल फ़ॉर लोकल' नहीं हो सके कि 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसे बहुप्रचारित अभियान के अंतर्गत कम से कम विशाल प्रतिमाओं के निर्माण का काम तो शुरू हो गया होता...? जबकि हमारा देश प्रतिमा व मूर्तियां बनाने के क्षेत्र में सदियों से महारत रखता है...? भारतीय मूर्तिकारों द्वारा बनाई गयी हज़ारों प्रतिमायें भारत सहित पूरे विश्व में जगह-जगह स्थापित हैं। यदि 'आत्म निर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फ़ॉर लोकल' जैसे नारे केवल लोकलुभावन नहीं बल्कि वास्तव में धरातल पर साकार होने के लिये गढ़े गये हैं तो इन विशालकाय ऊंची प्रातिमाओं को बनाने के लिए भी सरकार हमारे देश के मूर्तिकारों को ऐसी प्रतिमाओं को गढ़ने या ढालने की विशेष तकनीक तथा इसके लिये ज़रूरी बुनियादी ढांचे मुहैय्या क्यों नहीं करवाती...?

आज भी यदि आप भारतीय बाज़ारों पर नज़र डालें तो यही पायेंगे कि हमारे बाज़ार नाना प्रकार के चीनी सामानों से पटे पड़े हैं। चीन से आने वाले हज़ारों कंटेनर प्रतिदिन चेन्नई बंदरगाह पर उतर रहे हैं। सरकार स्वयं चीनी सामानों का आयात बंद नहीं कर रही है। परन्तु 'राष्ट्रभक्ति' का भ्रम बनाये रखने के लिये जनता से चीनी सामानों के बहिष्कार की अपील सत्ताधारी लोगों द्वारा समय समय पर ज़रूर की जाती है। क्या ऐसे में यह सवाल पूछा नहीं जाना चाहिये कि 'राष्ट्रभक्ति ' का पाठ क्या सिर्फ़जनता के लिये ही है, सत्ता से जुड़े लोगों के लिये नहीं।

यूक्रेन संकट के बीच उम्मीदों का परिदृश्य

-जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि इन दिनों यूक्रेन संकट के कारण दुनिया के अधिकांश देशों में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं, लेकिन भारत में यूक्रेन संकट से निर्मित आर्थिक चुनौतियों के बीच भी कृषि का परिदृश्य सुकूनदेह है। जहां देश का आम आदमी खाद्यान्न की महंगाई से दूर है, वहीं देश में कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाकर कृषि को कच्चे तेल की तरह मजबूत आर्थिक आधार बनाए जाने की संभावनाएं उभरती दिखाई दे रही हैं।

निःसंदेह कोविड-19 की चुनौतियों के बीच पिछले दो वर्षों में दुनिया में भारत की पहचान खाद्यान्न की वैश्विक आपूर्ति करने वाले मददगार देश के रूप में उभरकर सामने आई है। अब इस वर्ष 2022 में रूस और यूक्रेन युद्ध संकट जैसी अन्य स्थितियों के मद्देनजर भारत से खाद्य पदार्थों के निर्यात की संभावनाएं हैं। ऐसे में कृषि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के मद्देनजर सुकूनभरी उम्मीदों के तीन महत्वपूर्ण आधार दिखाई दे रहे हैं। एक, फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान प्रस्तुत हुआ है। दो, वर्ष 2022 में मानसून के अनुकूल रहने का पूर्वानुमान लगाया गया है। तीन, वर्ष 2022-23 के नए बजट में कृषि को आधुनिक बनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाने के नए रणनीतिक रास्ते सुझाए गए हैं।

गौरतलब है कि, कृषि मंत्रालय द्वारा हाल ही में प्रस्तुत खाद्यान्न उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2021-22 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.60 करोड़ टन पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष में 31.07 करोड़ टन रहा था। इस वर्ष गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान है। गेहूं का उत्पादन पिछले वर्ष 10.95 करोड़ टन रहा था। 2021-22 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 12.79 करोड़ टन रिकॉर्ड अनुमानित है। साथ ही इस साल तिलहन उत्पादन 3.71 करोड़ टन रह सकता है, जो पिछले साल 3.59 करोड़ टन से ज्यादा है। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुताबिक, सभी प्रमुख फसलों के एमएसपी में वृद्धि, पीएम किसान योजना के मार्फत किसानों को आर्थिक मदद, कृषि क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा और विभिन्न कृषि विकास योजनाओं से कृषि क्षेत्र में उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि, पिछले दो वर्षों 2020 और 2021 में भी कोविड-19 की चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था के दूसरे सेक्टरों में भारी गिरावट के बीच कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा है जिसने लगातार वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2022 में जबरदस्त कृषि उत्पादन और अच्छा मानसून देश के आर्थिक-सामाजिक सभी क्षेत्रों के लिए लाभप्रद होगा। निस्संदेह यूक्रेन संकट के साथ-साथ खाद्य मांग बढ़ने की अन्य वैश्विक चुनौतियों के बीच खाद्य पैदावार बढ़ाने के मद्देनजर विगत एक फरवरी 2022 को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया आगामी वित्त वर्ष 2022-23 का बजट अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकता है। छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन दिया गया है। कृषि और कृषक कल्याण योजनाओं का कुल बजट इस बार 1.24 लाख करोड़ रुपये रखा गया है जो पिछले बजट की तुलना में करीब छह हजार करोड़ ज्यादा है। नए बजट के तहत किसानों को कम समय के लिए कर्ज उपलब्ध कराने के लिए 19 हजार 500 करोड़ रुपए का आवंटन सुनिश्चित किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर किसानों की चिंता को कम करने की कोशिश नए बजट में की गई है। एमएसपी पर खरीदारी का लक्ष्य 2.37 लाख करोड़ रुपए रखा गया है। सरकारी फसल खरीद की ये रकम सीधे किसानों के खाते में भेजी जाएगी। नए बजट में प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष घोषणा की गई है। महत्वपूर्ण है कि मोटे अनाजों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष घोषित किया गया है। वित्तमंत्री सीतारमण ने आगामी बजट में कृषि के डिजिटलीकरण के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। किसानों और कृषि संबंधी सूचनाओं के बेहतर आदान-प्रदान के लिए कृषि सूचना प्रणाली और सूचना प्रौद्योगिकी तथा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना को सुदृढ़ और प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने के साथ ही भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव में ड्रोन तकनीक मदद करेंगे। खेती में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड नई योजनाएं लाएगा, जिसके जरिए नई मशीनों और उपकरण के स्टार्टअप शुरू किए जा सकेंगे। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाने के नए प्रावधान किए गए हैं। कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए 46 जिला क्लस्टरों की पहचान की गई है।

निःसंदेह इन विभिन्न अनुकूलताओं से इस वर्ष 2022 में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन देश की नई आर्थिक शक्ति बन सकता है। इससे खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन से देश की खाद्यान्न मांग की पूर्ति सरलता से होगी। देश के पास खाद्यान्न का सुरक्षित भंडार होगा और दुनिया के कई देशों को कृषि निर्यात बढ़ाए जा सकेंगे। खाद्यान्न के वैश्विक बाजार में कृषि जिंसों की कीमतें बढ़ने के मद्देनजर भारत से अधिक कृषि निर्यात किसानों की अधिक आय बढ़ाने का मौका बनते हुए दिखाई देगा। दुनिया को 25 फीसदी से अधिक गेहूं का निर्यात करने वाले रूस और यूक्रेन के युद्ध में फंस जाने के कारण भारत के करीब 2.42 करोड़ टन के विशाल गेहूं भंडार से गेहूं के अधिक निर्यात की संभावनाओं को मुट्ठियों में लिया जा सकेगा। खासतौर से भारत को मिस्र, बांग्लादेश और तुर्की जैसे देशों को बड़ी मात्रा में गेहूं निर्यात पूरा करने का मौका मिलेगा। अब भारत के द्वारा चावल, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाजों के निर्यात में भी भारी वृद्धि का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। अनुमान है कि आगामी वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात 55-60 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। यद्यपि इस समय देश के कृषि परिदृश्य पर विभिन्न अनुकूलताएं हैं, लेकिन कृषि क्षेत्र को देश की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। सरकार के द्वारा कृषि उपज का अच्छा विपणन सुनिश्चित किया जाना होगा। खराब होने वाले कृषि उत्पादों जैसे फलों ओर सब्जियों के लिए लॉजिस्टिक्स सुदृढ़ किया जाना होगा। साथ ही वर्ष 2022 में किसान ट्रेनों के माध्यम से कृषि एवं ग्रामीण विकास को नया आयाम देना होगा। अच्छे कृषि बुनियादी ढांचे से फसल तैयार होने के बाद होने वाले नुकसान में कमी आ सकेगी। अब कृषि निर्यात की डगर पर दिखाई दे रहे कई अवरोध भी दूर किए जाने होंगे। प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाने के लिए सीड टेक्नोलॉजी के अपनाने पर आगे बढ़ना होगा। खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन के साथ-साथ तिलहन के अधिकतम उत्पादन पर फोकस करना होगा। भंडारण सुविधा बढ़ानी होगी। फर्टिलाइजर की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर सरकार द्वारा फर्टिलाइजर की पर्याप्त पूर्ति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई जानी होगी।

पूंजी का पलायन रोकने के हों प्रयास

-भरत झुनझुनवाला

रिजर्व बैंक की कमेटी ने संस्तुति की है कि देश को पूंजी के मुक्त आवागमन की छूट देनी चाहिए। यानी विदेशी निवेशक भारत में स्वच्छंदता से आ सकें और भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को स्वच्छंदता से भारत से बाहर ले जाकर निवेश कर सकें, ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए। कमेटी का कहना है इसके चार लाभ हैं। पहला यह कि देश में पूंजी की उपलब्धि बढ़ जाएगी। यह सही है कि विदेशी पूंजी का भारत में आना सरल हो जाएगा। जो विदेशी निवेशक भारत में निवेश करेंगे उनके लिए समय क्रम में अपनी पूंजी को निकाल कर अपने देश वापस ले जाना आसान हो जाएगा। लेकिन यह दोधारी तलवार है। यदि विदेशी निवेशकों के लिए भारत में पूंजी लाना आसान हो जाएगा तो उसी प्रकार भारतीयों के लिए भी अपनी पूंजी को बाहर ले जाना आसान हो जाएगा। रिजर्व बैंक के ही आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों में हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक रहा है यानी जितनी विदेशी पूंजी अपने देश में आई है उससे ज्यादा पूंजी अपने देश से बाहर गई है। इससे प्रमाणित होता है कि पूंजी का मुक्त आवागमन विपरीत दिशा में ज्यादा चल रहा है। जैसे दो टंकियों के बीच में एक वॉल लगा हो तो पानी उस तरफज्यादा जाएगा जहां पानी का स्तर कम होगा। इसी प्रकार विदेशी और भारतीय पूंजी के बीच में वॉल को खोल दें तो किस तरफपूंजी का बहाव होगा यह इस पर निर्भर करेगा कि पूंजी का आकर्षण किस तरफअधिक है।

कमेटी का दूसरा कथन है कि, पूंजी के मुक्त आवागमन से अपने देश में पूंजी की लागत कम हो जाएगी और ब्याज दर कम हो जाएगी। लेकिन रिजर्व बैंक के ही आंकड़े इसी के विपरीत खड़े हैं जो कि बता रहे हैं हमारा पूंजी खाता ऋणात्मक है यानी पूंजी बाहर जा रही है और जिसके कारण अपने देश में पूंजी का मूल्य बढ़ रहा है, घट नहीं रहा है। कमेटी ने तीसरा तर्क दिया है कि पूंजी के मुक्त आवागमन से भारतीय कंपनियों द्वारा लिए जाने वाले लोन का विविधीकरण हो जाएगा। जैसे किसी कंपनी को यदि फैक्टरी लगानी हो तो कुछ पूंजी वह भारतीय बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी बैंक से लेंगे, कुछ विदेशी निवेशकों से लेंगे। इस प्रकार उनके ऊपर जो लोन का भार है वह किसी एक स्रोत पर निर्भर होने के स्थान पर विविध स्रोतों पर बंट जाएगा और ज्यादा टिकाऊ होगा। यह बात सही है। कई कंपनियों ने हाल ही में विदेशी पूंजी का लोन लिया भी है। लेकिन जितना इन्होंने लिया है उससे ज्यादा बाहर भी गया है इसलिए यह विविधीकरण कंपनियों के लिए लाभप्रद रहा हो सकता है लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ हो, ऐसा नहीं दिखता है। कमेटी के अनुसार चौथा लाभ भारतीय निवेशकों के लिए निवेश का विविधीकरण है। भारतीय निवेशक विदेशी प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार के साथ-साथ भारतीय प्रॉपर्टी एवं शेयर बाजार में निवेश कर सकेंगे। लेकिन पुनः यह लाभ निवेशक विशेष को होगा। यह देश का लाभ नहीं है क्योंकि जब भारतीय निवेशक अपनी पूंजी को विदेशों में निवेश करते हैं तो भारत की पूंजी बाहर जाती है और भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। इन इस दृष्टि से कमेटी के दिए गए तर्क मान्य नहीं हैं।

विशेष बात यह है कि, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि आपदा के समय विकासशील देशों को पूंजी के मुक्त आवागमन पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कोरिया और पेरू द्वारा कोविड संकट के दौरान ऐसे प्रतिबंध लगाने का स्वागत किया है। हमें भी इस दिशा पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में हमारे सामने एक और संकट है कि अभी तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व बोर्ड ने ब्याज दर शून्य के लगभग कर रखी थी। निवेशकों के लिए लाभप्रद था कि अमेरिका में लोन लेते और भारत में निवेश करते। लेकिन अब फेडरल रिजर्व बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वे शीघ्र ही ब्याज दरों में वृद्धि करेंगे। यदि ऐसा होता है तो निवेशकों के लिए अपनी पूंजी को भारत से निकालकर अमेरिका ले जाना ज्यादा लाभप्रद हो जाएगा क्योंकि अमेरिका में निवेश को ज्यादा स्थाई और टिकाऊ माना जाता है। इसलिए हमको विचार करना चाहिए कि आखिर हमारी देश से पूंजी का पलायन हो क्यों रहा है।

जर्नल ऑफइंडियन एसोसिएशन ऑफसोशल साइंस इंस्टिट्यूशन में छपे एक पर्चे के अनुसार, भारत से पूंजी के पलायन के चार कारण हैं। पहला कारण भ्रष्टाचार का है। यह सही है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के स्तर पर भ्रष्टाचार में भारी कमी आई है लेकिन यह भी सही है कि जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार में उससे ज्यादा वृद्धि हुई है। इसलिए सरकार को नीचे से भ्रष्टाचार को दूर करने के कदम उठाने चाहिए। दूसरा यह कि सरकारी ऋण ज्यादा होने से निवेशकों को भय होता है कि ऋण की भरपाई करने के लिए आने वाले समय में रिजर्व बैंक नोटों को ज्यादा मात्रा में छापेगा, जिससे देश में महंगाई बढ़ेगी और भारतीय रुपये का अवमूल्यन होगा। तब उनकी पूंजी का मूल्य स्वतः घट जाएगा। इसलिए सरकारी ऋण की अधिकता से पूंजी का पलायन होता है। वर्तमान में कोविड संकट के कारण ही क्यों न हो फिर भी यह तो सत्य है ही कि अपनी सरकार द्वारा लिए गए ऋण में भारी वृद्धि हुई है। इस परिस्थिति में भारत सरकार को ऋण कम लेना चाहिए। लेकिन इससे निवेश में कमी नहीं होनी चाहिए अन्यथा पुनः आर्थिक विकास की गति में ठहराव आएगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि अपनी खपत को कम करे, जिससे कि सरकार को लोन कम लेने पड़ें और पूंजी का पलायन न हो। तीसरा कारण बताया गया है कि मुक्त व्यापार को अपनाने से भी पूंजी का पलायन होता है। इसका कारण यह दिखता है कि जब हम मुक्त व्यापार को अपनाते हैं तो उद्यमियों के लिए आसान हो जाता है कि अपनी पूंजी को उस देश में ले जाएं जहां पर उत्पादन करना सुलभ हो। जैसे भारतीय उद्यमी के लिए यह सुलभ हो जाएगा कि वह अपनी फैक्टरी को बांग्लादेश में लगाए और बांग्लादेश में माल का उत्पादन करके भारत को निर्यात कर दे। ऐसे में मुक्त व्यापार के कारण पूंजी का पलायन बढ़ता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि रिजर्व बैंक की कमेटी की रिपोर्ट को अमान्य करते हुए भ्रष्टाचार पर रोक लगाए, सरकारी खपत को घटाए और मुक्त व्यापार को अपनाने के स्थान पर आयात कर बढ़ाये। तब ही अपने देश से पूंजी का पलायन कम होगा और देश की आर्थिक विकास दर बढ़ेगी।

दो राज्यों के बीच बंटा हुआ रेलवे स्टेशन

एक राज्य में खड़ा होता है इंजन तो गार्ड दूसरे राज्य में

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

आपको सुन कर बेशक हैरानी होगी पर ये बिलकुल सच है कि, भारत में भवानी मंडी स्टेशन एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जिसमें ट्रेन का इंजन एक राज्य में तो ट्रेन के गार्ड का डब्बा दूसरे राज्य में खड़ा होता है। यह अनोखा रेलवे स्टेशन अपनी तरह का अकेला रेलवे स्टेशन है। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों ही राज्यों के अंतर्गत आता है। रेलवे स्टेशन के एक छोर पर राजस्थान का बोर्ड लगा है और दूसरे छोर पर मध्य प्रदेश राज्य का बोर्ड लगा है।

दो राज्यों की सीमा पर

ये रेलवे स्टेशन दो राज्यों की सीमा पर बना है। इस रेलवे स्टेशन की सबसे खास बात तो ये है कि, यहां का बुकिंग काउंटर मध्य प्रदेश के मंदसौर जलि में है तो स्टेशन में प्रवेश का रास्ता और वेटिंग रूम, राजस्थान के झालावाड़ जलि में है। इतना ही नहीं और भी मजेदार बात तो यह है कि, यहां पर टकिट की लाइन मध्यप्रदेश में शुरू होती है और लोग राजस्थान तक खड़े होते हैं।

व्यस्त रहता है स्टेशन

ऐसा नहीं है कि, ये कोई निर्जन या कम व्यस्त रहने वाला स्टेशन हो प्रतिदिन यहां करीब 44 गाड़ियां रुकती हैं। भवानी मंडी रेलवे स्टेशन से 350 से अधकि स्टेशन सीधे जुड़े हुए हैं। यहां हर दनि करीब 8 से 10 हजार यात्रियों का आना-जाना होता है। यह स्थान अनाज मंडी के लिए मशहूर है। साथ ही भारत में नागपुर के बाद दूसरा सबसे बड़ा संतरा उत्पादक केंद्र है। जाहिर है व्यापारियों का आना जाना बना रहता है।

यात्री लेते हैं मजे

दो राज्यों के बॉर्डर पर पड़ने की वजह से ट्रेन से सफर करने वाले यात्री भी खूब मजे लेते हैं। यहां का सबसे मजेदार चुटकला है कि, एक ही ट्रेन में परिवार बैठा है लेकनि आधा परविार मध्यप्रदेश में है और आधा राजस्थान में हैं। लोग ये भी कहते सुने जाते हैं वे मध्यप्रदेश में उतरे थे और पानी पीने राजस्थान गए थे। इतना ही नहीं यहां आने वाले यात्री अक्सर यह भी कहते मलि जाते हैं कि, आए तो थे मध्यप्रदेश और राजस्थान भी घूम लिए। सेल्फी के शौकीन लोग यहां पर इस अनोखे रेलवे स्टेशन के साथ सेल्फी लेने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। यहां की प्रशासनकि व्यवस्था भी काफी मजेदार है। रेलवे स्टेशन पर कोई घटना होने पर जसि राज्य की सीमा की बात होती है उसी राज्य की पुलिस उस मामले को देखती है।

एक ओर छात्र यूक्रेन से लौटा घर

माही की गूंज, मंदसौर।

यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच से मंदसौर जिले के सीतामऊ तहसील के भगोर गांव में रहने वाले छात्र सचिन प्रजापति अपने घर सुरक्षित लौट आया। घर पहुचे ही परिजनों के चहरे पर खुशी लौट आई। सचिन की मां ने पूजा की थाली हाथ में लेकर तिलक लगाकर सचिन का स्वागत किया। मुश्किल हालातों के बिच छात्र के वापस लौट आने से पूरे परिवार खुशियां छा गई। ग्रामीणों ने भी छात्र के फूल माला पहनाकर स्वागत किया। परिजनों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। छात्र सचिन यूक्रेन डेनप्रो में मेडिकल की पढ़ाई के लिए गया था। 21 जनवरी को पहले सेमेस्टर के एग्जाम हुए और 21 फरवरी की फिर एग्जाम थे। इसी के चलते कॉलेज प्रशासन ने छुट्टी नहीं दी। युद्ध शुरू होने के बाद सचिन पन्द्रह सौ किलोमीटर के सफर तय कर 2 मार्च को रोमानिया के बुखारेस्ट बॉर्डर पर पहुंचा। सोमवार को छात्र सचिन को फ्लाइट मिली और सचिन घर लौट आया।

युवक से 21 किलो डोडा चुरा किया जप्त

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में मादक पदार्थ की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एसपी अभिषेक तिवारी के निर्देश में दीनदयाल नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 21 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थीं कि, सैलाना बस स्टेण्ड पर एक व्यक्ति है जिसके पास मादक पदार्थ है। पुलिस ने सूचना और निशानदेही के आधार पर सैलाना बस स्टेण्ड एक व्यक्ति की तलाशी ली। जिसके कब्जे से 21 किलो ग्राम डोडा चूरा मादक पदार्थ कीमती 50 हजार रुपए का जप्त किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान रिंकू पिता विजय बहादुर (30) निवासी चार शहर का नाका ग्वालियर बताई गई है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफदीनदयाल नगर थाने पर धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। आरोपी से अवैध मादक पदार्थ लाने और किसको देने जा रहा था पूछताछ कर अन्य आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम गड़ावड़िया में मावठे से बर्बाद फसल साथ किसान जगदीश पोरवाल।

पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम घुघरी में भी हुआ मावठे से नुकसान।

किसानों की मेहनत पर मावठे ने फेरा पानी, तेज़ बारिश और हवाओ से बर्बाद हुई गेंहू की फसल

माही की गूंज, रतलाम।

राजस्व अमले ने किया नुकसानी का सर्वे

अचानक हुए मौसम परिवर्तन से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनकी मेहनत पर मावठे की मार पड़ गई है। जिले की रावटी तहसील में सोमवार रात में हुई तेज़ हवाओ के साथ हुई तेज़ बारिश ने किसानों के खेत मे खड़ी गेंहू की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दी, जिससे किसानों को भारी नुकसानी उठानी पड़ रही है। रावटी विकास खण्ड के ग्राम गड़ावड़िया और उसके आसपास के गाँवो में सोमवार की बारिश ने किसानों के अछी फसल की उम्मीद बर्बाद कर दी। ग्राम गड़ावड़िया के किसान जगदीश पोरवाल के सात बीघा का पूरा खेत मावठे की भेंट चढ़ गया और खेत मे खड़ी फसल आड़ी पड़ गई। गाँव के अन्य किसानों के खेतों की भी यही हालत है। जिन किसानों के गेंहू सुखकर काट लिए गए थे और खेत मे पड़े थे उनको भी भारी नुकसान हुआ है। कृषक गोपाल पोरवाल ने बताया कि, मेरे सर्वे नंबर 1357 के खेत की पूरी गेंहू की फसल बर्बाद हो गई। मावठे की बारिश से हुए नुकसान की जानकारी जुटाने के लिए मंगलवार को दी राजस्व अमले ने गाँव मे पहुँच कर किसानों की नुकसानी का सर्वे किया है। रतलाम की सीमा से लगे पेटलावद विकास खण्ड के घुघरी, कुंडाल के किसानों भी मावठे से नुकसानी हुई है। जिले के नुकसानी वाले क्षेत्र के किसानों ने सरकारी मदत और नुकसानी देने की मांग की है।

मावठे के अभी जारी रहने के आसार

मौसम विभाग के अनुसार अभी मावठे के आसार बने हुए है। आसमान में बादलों का जमावड़ा लगा हुआ जिससे आने वालों दिनों में बारिश की सम्भवना की जा रही है, जिससे किसानों को बड़े नुकसान होने की सम्भवना है। क्योंकि गेंहू की फसल वर्तमान में खेतो में सुख के खड़ी है, कट कर निकलने के लिए खेत मे रखी है या फिर पकने की कगार पर है। ऐसे में मावठे की बारिश होती है तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हाट बाजार हो रहा खंडहर में तब्दील

अपनी जमीन बताकर शिक्षा विभाग कर रहा बाउंड्री वाल का निर्माण

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जिले के मोहन बड़ोदिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अनदेखी के चलते और शिक्षा विभाग की अपने मनमानी के चलते सरकार के द्वारा 50 लाख रुपए की लागत से बनाए गए मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना बने हाट बाजार और टिन शेड दुकाने आज बद से बदतर खंडहर में तब्दील हो रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना के अंतर्गत सलसलाई नगर में भी मुख्यमंत्री हाट बाजार के लिए टीन सेट और दुकानें बनी, लेकिन आज तक उसमें दुकाने नहीं लगी। बता दें कि, जब हाट बाजार आया था तब भी जमीन शिक्षा विभाग के नाम से थी तो फिर वहां टीन शेड और दुकान बनाने के लिए पंचायत के द्वारा अनुमति किससे ली और कैसे बना दी, यह एक बड़ा सवाल है। जब टीन शेड और दुकानें बन गई तो आखिर उसमें बाजार क्यों नहीं लगा। वही मामले में कलेक्टर दिनेश जैन ने कहा था कि, मैं जिला पंचायत से बात करके सप्ताहिक हाट बाजार को यहां शिफ्ट करवाता हूं। क्योंकि जिस जगह सप्ताहिक हाट बाजार लगता है वह जगह कम होने के अभाव के चलते बार-बार दुकानदारों को परेशान होना पड़ता है और बार-बार जाम लगता है। लेकिन ग्राम पंचायत के द्वारा भी आज तक दुकानदारों की सुध नहीं ली। वही स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आसपास बाउंड्री वाल करवाने से सप्ताहिक हाट बाजार के लिए बने टिन शेड बाउंड्री के अंदर आ जाने के कारण ग्रामीणों को तो परेशानी है ही साथ ही ग्रामीणों को सहूलियत मिले इसके लिए जो टीन शेड और सप्ताहिक हाट बाजार बनाया था वह ग्रामीणों के काम ही नहीं आ रहा है। वही बाउंड्री के अंदर आ जाने के बाद सप्ताहिक हाट बाजार के लिए बनी दुकान बेकार ही साबित हो रही है। वही अभी अगर उच्च अधिकारी चाहे तो दो पार्टीशन करके एक तरफसप्ताहिक हाट बाजार को कर सकते हैं तो दूसरी ओर स्कूल बाउंड्री वॉल जिससे ग्रामीणों को भी सहुलियत मिले और अगर आसपास बाउंड्री हो जाती है तो सरकार के लाखों रुपए ऐसे ही पानी में बर्बाद हो जाएंगे। वही खास बात यह है कि, 50 लाख रुपए की लागत से बना टीन शेड और दुकान के भूमि पूजन कार्यक्रम में तत्कालीन कालापीपल विधायक और वर्तमान में शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा सामान्य प्रशासन मंत्री इंदर सिंह परमार भी आए हुए थे और अब उनके ही विभाग का यह मामला है। जहां ग्रामीणों को सहूलियत के बजाय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वही ग्राम पंचायत के द्वारा चारों ओर सीसी रोड का निर्माण करवाया गया जो भी बाउंड्री वाल के अंदर आने से कई ग्रामीणों को घर के रास्ते बंद हो रहे हैं।

अखिल भारतीय बलाई महासभा का राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान समारोह सम्पन

माही की गूंज, शाजापुर।

अखिल भारतीय बलाई महासभा नई दिल्ली के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्तरीय नारी सम्मान समारोह भव्य रूप से दुर्गा गार्डन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं देश की प्रथम महिला शिक्षक राष्ट्र माता सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर दिनेश जैन थे, अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया ने की, विशिष्ट अतिथि अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्रीमती दीपा डोडवे शाजापुर, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चोहान, वरिष्ठ प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सिंह इंजीनियर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम एल परमार, दीनदयाल सावनेर, राष्ट्रीय प्रमुख सचिव सीएम वर्मा, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव ताराचंद बुनकर, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यनारायण मालवीय, वरिष्ठ समाजसेवी कमल चोहान, युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंदल, जिला सचिव जोनी सरावता जयपुर, कार्यकारी अध्यक्ष प्रियंका मालवीय महिला विंग, प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू मालवीय महिला विंग रही।

उक्त कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कहा कि, महिलाओं की प्रगति समाज की प्रगति को दर्शाती है और सभी समाज के लोगों को बेटा और बेटी में कोई फर्क नही करना चाहिए। सभी को शिक्षा की ओर अग्रसर होना चाहिए, बच्चीयों को स्पोर्ट्स में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। एसडीओपी ने कहा कि, महिलाओं को हमेशा निडर होकर काम करना चाहिए और किसी भी परिस्थितियों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान देना चाहिए। तभी हमारा समाज आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर सभी का शील्ड दुपट्टा व गुलदस्ता देकर सम्मान किया गया। पुलिस विभाग से एसआई रविता चौधरी, सूबेदार सीमा मौर्य, सूबेदार दीपिका, आरक्षक संगीता परमार, होमगार्ड्स प्लाटून कमांडर श्रीमती नम्रता सरावता, स्वास्थ विभाग से डॉ. उमा परमार, डॉ. पवित्रा पंचोली, डॉ. सपना जैन परमार, डॉ. रानी रायपुरिया, हेड मैट्रन कृष्णा कांता चोहान, स्पोर्ट्स में पर्वतारोहण में आशा मालवीय, कबड्डी में रवीना यादव, वेटलिफ्टिंग, दीपा यादव, खुशी यादव, रुचि यादव, शिवानी राठौड़, रानी नायक, सोनाली वर्मा, अंजली प्रजापति, गोल्फ में महक बामनिया, मलखम में चंद्रिका मितोला, कूड़ों में अनुज्ञा शर्मा, कराटे में पूजा मालवीय, शास्त्रीय गायन में पूर्वी वर्मा, छात्रा लक्ष्मी मेवाड़ा, समाजसेवी रेणुका मालवीय, महिला बाल विकास विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रेखा यादव, श्रीमती ललिता साँवले, श्रीमती काजल मालवीय, श्रीमती रजनी गौड़, कलाक्षेत्र में दुर्गा मालवीय सिंगर का सम्मान किया गया। युवा प्रदेश प्रवक्ता अनिल मालवीय ने बताया कि, अखिल भारतीय बलाई महासभा के बैनर तले नारी सशक्तिकरण और नारी शक्ति को महासभा में सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया ने बताया कि, बेटा अंश है तो बेटी वंश है, बेटा आन है तो बेटी शान है महिलाओं का हम सम्मान हमारे संगठन के लिए गर्व की बात है। हमारा संगठन प्रतिवर्ष किसी न किसी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी समाजसेवीयो का सम्मान करती रही हैं और करती रहेगी।

मन्दिर दर्शन करने गए युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

माही की गूंज, रतलाम।

सोना-चांदी के जेवर बनाने वाले एक कारीगर की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी अनुसार धनजी बाई का नोहरा निवासी मुकेश पिता बाबूलाल प्रजापत सुबह साढ़े 7 के करीब अपने घर से काला गोरा भेरु के दर्शन करने के लिए निकला था। जब वह नौ से साढे नौ बजे तक घर नहीं लौटा, तो उसके परिजन उसे ढूंढने निकले तो उसे काला गोरा भेरु मन्दिर में अचेत अवस्था में पड़ा पाया। मुकेश प्रजापत को तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मृत्यु के कारण स्पष्ट नहीं हुए है। मृतक मुकेश के पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु के कारण स्पष्ट हो सकेंगे कि उसने आत्महत्या की या उसकी हत्या की गई है? पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

आप पार्टी ने प्रस्तावित बिजली दाम वृद्धि के खिलाफ दिया ज्ञापन

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आम आदमी पार्टी के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार पवन पवैया को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से सरकार की प्रस्तावित बिजली दाम वृद्धि के खिलाफआक्रोश व्यक्त किया गया और मांग की गई की प्रस्तावित बिजली दाम वृद्धि वापिस ले।

आम आदमी पार्टी के राजेश सिसनोरिया ने बताया कि, पूरे मध्यप्रदेश की जनता इस समय घोर महंगाई की मार से त्रस्त है। डीजल, पेट्रोल से लेकर हर खाद्दान्न के दाम आसमान छू रहे हैं। मध्यप्रदेश की भ्रष्ट बिजली कंपनियों द्वारा पहले से ही गलत और बढ़े बिलों से जनता का शोषण किया जा रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश सरकार का किसानों के लिए 11 प्रतिशत व घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव डबल चोट करने वाला है। आम आदमी पार्टी, मध्य प्रदेश इस प्रस्ताव की घोर निंदा करती है व प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने की मांग करती है। इसके साथ ही हम मांग करते हैं कि, कोरोना काल के दौरान के सभी घरेलू, कृषि व दुकानों के बिलों को माफकिया जाए। जहाँ आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार 300 यूनिट बिजली फ्री देकर भी फायदे का बजट दे रही है। वहीं मध्यप्रदेश की भ्रष्ट बिजली कंपनियां जनता का शोषण करते हुए घाटा दिखा रहीं हैं। आम आदमी पार्टी सरकार के इस जन विरोधी प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करते हुए, मध्यप्रदेश सरकार से मांग करती है कि, दाम वृद्धि तत्काल वापस लेते हुए कोरोना काल के सभी बिल माफकिए जाए साथ ही बिजली के दाम में कमी कर जनता को राहत दी जाए। मध्यप्रदेश से दिल्ली सरकार बिजली लेकर वहा मुक्त दे रही है और यहां सबसे ज्यादा टैक्स वसूला जा रहा है जो गलत है। ज्ञापन देते समय राजेश सिसनोरिया, सुनील कदम, अंबाराम मालवीय, माखन मालवीय आदि के साथ अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जमीन दिलवा दो, आप ही मायबाप और मालिक हो साहब

डिप्टी कलेक्टर के पैरों में गिरकर लगाई गुहार, नही हुई सुनवाई

माही की गूंज, शाजापुर।

डिप्टी कलेक्टर की जनसुनवाई में जो भी कुछ हुआ उसे देख हर कोई दंग रह गया। 80 वर्ष के बुजुर्ग ने कलेक्टर के सामने हाथ जोड़े, गिड़गिड़ाए और पैरों में गिरकर मिन्नतें की लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हो सकी। बुजुर्ग की लाचारी यह थी कि, वो अपनी जमीन पर दबंगों का कब्जा हटवाना चाहता था। बुजुर्ग की लाचारी की तस्वीरें मीडिया में भी सामने आई है।

शाजापुर में जनसुनवाई चल रही थी और डिप्टी कलेक्टर अजीत श्रीवास्वत वहां मौजूद थे। जनसुनवाई के दौरान एक 80 वर्षीय दलित बद्रीलाल ने डिप्टी कलेक्टर अजीत श्रीवास्तव के पैर पकड़कर जमीन पर कब्जा दिलाने की गुहार लगाई। बद्रीलाल जनसुनवाई में अपनी पत्नी, बहू और पोतों के साथ आये थे और जनसुनवाई कर रहे डिप्टी कलेक्टर के पैर में गिरकर गिड़गिड़ाने लगे।

उन्होंने कहा, मैं परेशान हो गया हूं, मेरी जमीन दिला दो। इसपर डिप्टी कलेक्टर ने बुजुर्ग से कहा, ये किसने बोला, ऐसा करने के लिए खड़े हो, इस तरीके से नहीं किया जा सकता। बुजुर्ग ने कहा कि, आप मेरे जिले के भगवान हो। बुजुर्ग कई वर्षो से जनसुनवाई में अपनी गुहार लगा चुके हैं।

बता दें कि, यह बुजुर्ग कलेक्टर कार्यालय में धरने पर बैठ गए हैं। लेकिन जिला प्रशासन उनकी सुनने के लिए तैयार नहीं। डिप्टी कलेक्टर जनसुनवाई में मीडियाकर्मियों पर भी भड़क उठे और उन्हें कवरेज करने से रोक दिया।

ये है मामला

शाजापुर के बद्रीलाल पिता रामा जी की 2 बीघा जमीन कृषि उपज मंडी से के पास में स्थित है। इस भूमि का सर्वे क्रमांक 133 एवं रकबा 0.41 हेक्टेयर है। इस भूमि में से डेढ़ बीघा जमीन पर 2002 में चार फर्जी रजिस्ट्री के माध्यम से कब्जा कर लिया गया। उसके बाद बद्रीलाल ने जिला प्रशासन के सामने गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। सुनवाई न होने पर बद्रीलाल ने सिविल न्यायालय शाजापुर में वाद दायर किया और सिविल न्यायालय ने चारों रजिस्ट्री को शून्य घोषित कर दिया।

उसके बाद से लेकर आज तक बद्रीलाल अपनी जमीन पर कब्जा नहीं कर सका। दबंगों ने उनकी डेढ़ बीघा भूमि के अलावा आधा बीघा जमीन पर भी कब्जा कर लिया। यह जमीन बेशकीमती है और आज इसकी कीमत करोड़ों रुपये है। बद्रीलाल की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और इतनी उम्र होने के बाद भी बार-बार वह जमीन पर कब्जा दिलाने के लिए प्रशासन से गुहार लगा रहा है लेकिन इस दलित की कोई सुनवाई नहीं हो रही।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का महिला ने किया विरोध

माही की गूंज, खरगोन।

महेश्वर नगर में धामनोद रोड़ स्थित शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई राजस्व, पुलिस और नगर परिषद द्वारा संयुक्त रूप से की गई। एसडीएम सुश्री दिव्या पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि, बुधवार को करीब 0.170 हेक्टेयर शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई है। जिसकी बाजार के अनुसार कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपए है। कार्रवाई के दौरान एक 35 वर्षीय महिला द्वारा कार्रवाई का विरोध किया गया। किसी मोबाइल धारक द्वारा वीडियो बनाकर जहरीला पदार्थ खाने की अफवाह फैलाने की बात सामने आई है। जबकि ऐसा नहीं है महिला द्वारा घबराहट की स्थिति देखते हुए विरोध न बढ़े इसलिए महेश्वर अस्पताल न ले जाते हुए मण्डलेश्वर अस्पताल लाया गया। डॉ. किरण वर्मा ने उपचार किया। लेकिन जहरीला पदार्थ खाने जैसे कोई लक्षण नहीं पाए गए। महिला को ग्लूकोज पिलाकर घर भेजा गया। उसका स्वास्थ्य ठीक है।

बीएमओ महेश्वर अजय सेंगर ने बताया कि उपचार के दौरान महिला के पति ने बताया कि, यूरिया नहीं चावल खाए है। अस्पताल से लौटने के बाद महिला अपने घर के कार्यों में व्यस्त हो गई।

हथकरघा विभाग को आवंटित है भूमि

आगे जानकारी देते हुए एसडीएम सुश्री पटेल ने बताया कि, जिस भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। यह भूमि वर्ष 2019 में जिला हथकरघा कार्यालय और कुटीर एवं ग्रामोद्योग को आवंटित की गई थी। यह भूमि कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग जिला हथकरघा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र को आवंटित की गई है। अब इन भूमि पर श्री संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम का कार्यालय, सामान्य सुविधा केंद्र, लगभग 20 हैंडलूम, दुकान, यान डिपो, टेस्टिंग लैब आदि का निर्माण होगा। जिसके लिए विभाग को 29 लाख रुपए का आवंटन किए गए है। इसके लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को इसके लिए निर्माण एजेंसी तय किया गया है। अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए थे।

रास्ता भूली चार वर्ष की बालिका, तीन घंटे बाद पुलिस कर्मियों ने मिलवाया माँ से

माही की गूंज, शुजालपुर।

चार वर्ष की बालिका घर से रास्ता भटककर अकोदिया मंडी गेट पहुंची गई थी, जिसे तीन घंटे बाद पुलिसकर्मियों ने मां से मिलवाया। बालिका सूचना मिलने पर पुलिस ने बच्ची को वाहन में बैठाकर उसके घर तक पहुंचाया।

अकोदिया की रहने वाली रमाबाई पति मांगीलाल बाजार में कुछ काम से गई थी और बच्ची घर में अकेली थी। जो खेलते-खेलते घर के बाहर निकल गई और भटक गई। जब रमा बाई घर पहुंची तो हर्षिता नहीं मिली। हर्षिता अकोदिया के मंडी गेट पर बैठी रो रही थी। जिसे कुछ लोगों ने देखा और अकोदिया पुलिस के आरक्षक विपिन तोमर व सुनील पाल को इसकी सूचना दी। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर बच्ची को अपने वाहन में बैठाया और उससे घर का पता व माता-पिता का नाम पूछने का प्रयास किया। लेकिन बच्ची कुछ भी नहीं बता पा रही थी। दोनों जवान उसे लेकर जैसे ही अकोदिया गांव पहुंचे बच्ची को अपने घर का रास्ता याद आने लगा और वह इशारे से पुलिस को अपने घर का रास्ता बताने लगी और करीब 3 घंटे बाद पुलिस बच्ची को उसके परिजनों से मिलवाने में सफल हो पाई।

मिलते ही नही रहा खुशी का ठिकाना

रमा बाई को जब अपनी बेटी घर में नहीं मिली तो उसके पैरो तले जमीन

खिसक गई। वह पूरे गांव में अपनी बेटी को ढूंढती रही, लेकिन कही कोई पता नहीं चला। जब वह घर पहुंची जिसके कुछ देर बाद उसकी बेटी हर्षिता पुलिस की गाड़ी से उतरकर उसके पास पहुंच गई। अपनी बेटी को सही सलामत पाकर रमा बाई की आंखों से आंसू बहने लगे।

अपनी बेटी के पुलिस की मदद से सकुशल घर लौट आने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने पुलिस को उनकी बेटी को सुरक्षित घर ले आने पर गदगद हो गए। पुलिस को धन्यवाद देते हुए उनका आभार माना। पुलिस जवान विपिन तोमर और सुनील पाल ने परिजनों को समझाया कि वे बेटी का ध्यान रखें।

नबालिक से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को 3 वर्ष की जेल

माही की गूंज, बड़वानी।

तृतीय अपर सत्र न्यायालय बडवानी श्रीमती सुषीला वर्मा द्वारा आरोपी प्रियांषु पटवा बडवानी को धारा 354, 354 (क) (1) (आइ) भादवि में 3 वर्ष व 506 भादवि में 2 वर्ष एवं 7/8 लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 में 2 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया। अभियोजन की ओर से प्रकरण में पैरवी श्री दुष्यंतसिंह रावत अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला बड़वानी द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी कीर्ति चौहान ने बताया कि, घटना 7 अक्टूबर 2019 की है, आरोपी प्रियांषु पटवा बस स्टेंड के पास कि गली में फरियादीया को जबरन मोबाइल देने लगा। फरियादिया द्वारा मोबाइल लेने से मना करने पर आरोपी ने बुरी नीयत से फरियादिया का हाथ पकडा और जान से मारने की धमकी देने लगा। फरियादिया के चिल्लाने पर आरोपी वहा से भाग गया जिसके बाद पीड़िता ने घर आकर माता-पिता को घटना बताई व पिता को साथ लेकर थाना जुलवानिया में रिपोर्ट की। रिपोर्ट पर से पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर धारा 354 ,354 (क) (1) (आइ), 506 भादवि एवं 7/8 लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत दण्डनीय पाये जाने से आरोपी के विरुद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया एवं न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

उप निर्वाचनः जिले में रिक्त पार्षद के समस्त सातों पदों पर भाजपा विजय

माही की गूंज, बड़वानी। जिले की चार नगर निकाय में रिक्त पार्षद के सात पदों के लिए हुए उप निर्वाचन में डाले गये मतों की गिनती बुधवार को संबंधित नगर निकायों में की गई। गणना पश्चात् जिले में रिक्त समस्त सात पदों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विजय घोषित किये गये है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार, नगर पालिका बड़वानी के वार्ड क्रमांक 13 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी के संजय गुप्ता विजय घोषित हुए है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के राजू भाई गोले को 148 मतों से पराजित किया है।

इसी प्रकार नगर पालिका सेंधवा के वार्ड क्रमांक 9 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी के सुश्री सोनिका सोनी विजय घोषित हुई है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस की सुश्री सुमन बाई अरसे को 260 मतों से पराजित किया है। वही वार्ड क्रमांक 13 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी की श्रीमती मनीषा जगताप निर्विरोध निर्वाचित हुई है। जबकि वार्ड क्रमांक 20 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी के सचिन शर्मा विजय घोषित हुए है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के अमित गुर्जर को 103 मतों से पराजित किया है। वार्ड क्रमांक 23 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी के गोपाल भांवरे विजय घोषित हुए है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के विमल सोलंकी को 639 मतों से पराजित किया है। इसी प्रकार नगर परिषद खेतिया के वार्ड क्रमांक 11 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी के गनी रज्जाक खाटीक विजय घोषित हुए है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के सुश्री हमीदा बी बागवान को 141 मतों से पराजित किया है। वही नगर परिषद अंजड़ के वार्ड क्रमांक 7 में रिक्त पार्षद पद पर भारतीय जनता पार्टी की श्रीमती बसंती राधेश्याम विजय घोषित हुई है। उन्होने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के सूरज बागसिंह मण्डलोई को 67 मतों से पराजित किया है।

कलेक्टर व जिला सीओ ने निर्माण कार्यों व योजनाओं का किया निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं नवागत जिला पंचायत सीओ अनिल कुमार डामोर ने बुधवार को विकासखण्ड निवाली के विभिन्न ग्रामो का दौराकर चल रहे निर्माण कार्यो का स्थल पर ही निरीक्षण किया। वहीं संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने स्कूलो में भी पहुंचकर जहॉ शैक्षणिक स्तर की जाच की, वहीं विद्यार्थियो को सरल तरीके से गणित के सवालो को हल करने के बारे में भी बताया।

सिदड़ी में देखा सुदूर सड़क एवं स्वच्छता परिसर

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीइओ ने ग्राम पंचायत सिदडी पहुंचकर वहॉ पर निर्माणाधीन सुदूर सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने संबंधित पदाधिकारियो से जानकारी प्राप्त कर हर-हाल में कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदण्ड अनुसार करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारी द्वय ने ग्राम में निर्मित सार्वजनिक स्वच्छता परिसर का भी निरीक्षण कर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

हाईस्कूल में विद्यार्थियो को पढ़ाई गणित

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीओ ने अपने दौरे के दौरान वझर के हाईस्कूल का भी आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारी द्वय ने संस्था के शिक्षको को परिसर में पौधारोपण करने एव स्वच्छता परिसर में नियमित साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने विद्यार्थियो का शैक्षणिक स्तर का परीक्षण करते हुये जहा उनसे कई सवाल पूछे, वहीं उन्हें सरल तरीके से सवालो को हल करने की विधि भी बोर्ड पर लिखकर बताया।

इस दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियो को समझाया कि, किसी भी विषय को रटने के स्थान पर समझना जरूरी है। क्योंकि समझा हुआ विषय कभी खत्म नहीं होता, जब भी आवश्यकता पड़ती है, वह स्मृति में उपस्थित हो जाता है। अतः विद्यार्थी समझकर पढ़ाई करे, और इस दौरान मन में उठने वाले विचारो, प्रश्नो का समाधान अपने शिक्षक से अवश्य करवाये, क्योंकि आज पूछे गये यही प्रश्न कल उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचने में मदद करेंगे।

निर्माणाधीन छात्रावास भवन का किया निरीक्षण

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीओ ने अपने दौरे के दौरान कस्तुरबा वनवासी कन्या आश्रम निवाली का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर उपस्थित संस्था की संचालिका सुश्री पुष्पा सिन्हा से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। साथ ही परिसर में निर्माणाधीन छात्रावास भवन का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी के पदाधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता न किया जाए। अन्यथा की स्थिति में कठौर कार्यवाही की जाएगी, साथ ही निर्देशित किया कि कार्य को और द्रूतगति से किया जाए। जिससे इस भवन का लाभ जल्दी से जल्दी संस्था के विद्यार्थियो को मिलने लगे।

स्वच्छ भारत मिशन से मिटा गंदगी का कलंक

बरुड पेश कर रहा है स्वच्छता की अनोखी मिसाल

माही की गूंज, खरगोन। स्वच्छ भारत मिशन में जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बरुड स्वच्छता की अनोखी मिसाल पेश कर रही है। अक्टूबर 2020 से पहले यह गांव गंदगी के लिए दूर-दूर तक जाना जाता था। पंचायत सचिव राजू खान बताते हैं कि, गांव के कुछ स्थान ऐसे थे। जहां से गुजरने वाले लोग यहां तक कि वाहनों से निकलने वाले भी नाक और आँखें बंद कर लेते थे। इस स्थान को लोग हागरी गली के नाम से भी जानते थे। लेकिन आज विशेष रूप से वही गली स्वच्छ भारत का सुपर प्लेस बन गया है। यहाँ स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा किया गया है। 3 लाख रुपये की लागत से बने इस परिसर का 11 अक्टूबर 2020 में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्चुअली लोकार्पण किया था। स्वच्छ भारत मिशन के परियोजना अधिकारी श्री भागीरथ पाटीदार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की 150 ग्राम पंचायतों में 166 सामुदायिक स्वच्छता परिसर स्वीकृत हुए है। इनमें से 62 बनकर तैयार हुए है।

महिला पुरूषों के लिए गौरव बन गया स्थान

लगभग तीन वर्षों पूर्व जो स्थान बदबूदार हुआ करता था। आज वहाँ स्वच्छता परिसर बन जाने से महिला पुरूष बिना झिझक के शौच के लिए जाते हैं। हागरी गली में इस स्थान को स्वच्छ कर पैवर्स और पेड़ पौधे युक्त कर दिया है। साथ ही गंदगी मिट जाने के बाद यह स्थान गौरव का प्रतीक बन गया है। जिन लोगों के घरों में व्यक्तिगत शौचालय बने हैं वे भी इसका उपयोग करते हैं। यहाँ 08 शौचालय 04 महिलाओं के लिए और 04 पुरूषों के लिए हैं। साथ ही यहाँ 4-4 यूरिनल भी हैं।

पानी की टंकी खाली होने पर फोन घनघनाने लगते है

सचिव राजू खान ने बताया कि इस परिसर का गांव के कई लोग उपयोग करते हैं। सुबह सुबह तो लाइन भी लगती है। 2000 हजार लीटर की टंकी पानी से खाली हो जाती है तो तुरंत फोन घनघनाने लगते है। गांव में लोगों द्वारा स्वच्छता परिसर के उपयोग को देखते हुए गांव में 1 और परिसर बनाया जा रहा है। नए परिवारों के लिए यह परिसर 3.65 लाख रुपये की लागत से लगभग पूर्णता की ओर है। अब गांव में 4 स्वच्छता परिसर हो जाएंगे। साथ ही यहां 1838 परिवारों के घरों में 1775 में व्यक्तिगत शौचालय भी बने। अब गांव के नाम पर लगा गंदगी का दाग/कलंक मिटने लगा है।

शिक्षकों द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन न करने पर जारी हुआ नोटिस

माही की गूंज, खरगोन।

म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। जिले में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीओ दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में विद्यालयों को सतत निरीक्षण किया जा रहा है। जिला प्रोढ़ शिक्षा अधिकारी बी रायक द्वारा विकासखंड झिरन्या में गत दिवस मंगलवार को शासकीय माध्यमिक विद्यालय राजपुरा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान शाला समय में प्रधान पाठक शकील शेख, माध्यमिक शिक्षक लालसिंह खतवासे, प्राथमिक शिक्षक सुजान सिंह चौहान तथा शासकीय प्राथमिक विद्यालय मालीपुरा में विद्यालयीन समय पर एक भी छात्र की उपस्थिति नहीं होने पर प्रधान पाठक मदन पंवार को, शास.माध्य. विद्यालय रतनपुर की प्रधान पाठिका श्रीमती वंदना लाड़, जनशिक्षक रूपसिंह तंवर अनुपस्थित पाए गए। साथ ही जनशिक्षक तंवर द्वारा अनुपस्थित शिक्षकों को अग्रिम आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किए जा रहे हैं जो कि नियम के विरूद्ध है। इन शिक्षकों को द्वारा पदीय कर्तव्यों का निर्वहन करने में गम्भीर लापरवाही व कतर्व्यपरायण नहीं रहने पर मप्र सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 के नियम 3 (1), दो-3 क, (ख) (ग) के विपरित कृत्य के कारण जिला पंचायत सीईओ श्री सिंह द्वारा सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत कारण बताओ सूचना पर जारी किए हैं।

15 बच्चों को होगा कटे-फटे होंठ व तालू का आपरेशन

माही की गूंज, बड़वानी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिला चिकित्सालय बड़वानी के महिला वार्ड में लगाए गए कटे-फटे होंठ एवं तालू वाले बच्चों के शिविर में 8 बच्चों का चयन आपरेशन हेतु किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे से प्राप्त जानकारी अनुसार शिविर में लाहोटी हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर भोपाल के डॉक्टरों द्वारा 8 बच्चों का आपरेशन हेतु चयन किया गया। इन चयनित बच्चों को भोपाल भेजकर डॉ. कपिल लाहोटी द्वारा निःशुल्क सर्जरी की जायेगी। उन्होने बताया कि मरीज को भोपाल आना-जान, आपरेशन, दवाईयां सभी निःशुल्क रहेगा। शिविर में शीघ्र हस्तक्षेप मैनेजर राधेश्याम जमरेल, डॉ. रविन्द्र सांवले, डॉ. मोना ठाकुर, डॉ. गीता ब्राम्हण, डॉ. प्रवीण खाण्डेकर, डॉ. डॉक्टर नरेंद्र चंदेल, डॉ. अल्केश मालवीय, लखन गांगले सहित बच्चों के परिजन उपस्थित थे।

सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गर्भवती महिलाओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसरावद में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह परीक्षण सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान एवं डीपीएम डॉ. मनीष भद्रावले एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. मनोज पाटीदार तथा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। परीक्षण में 60 गर्भवती माताओं की जांच की कर स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया। प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत विशेष महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। आयोजित होने वाले शिविर में गर्भवती माताएं निशुल्क जांच करवा सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर निवाली में किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं जिला पंचायत सीओ अनिल कुमार डामोर की उपस्थिति में निवाली में महिलाओं का जनजागृति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगा खान फाउण्डेशन के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण के मद्देनजर इन महिलाओं को स्व-सहायता समूह के रूप में गठित होकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, जिला पंचायत सीओ अनिल कुमार डामोर ने जहां महिलाओं को उनके विकास के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया। वही कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी के वैज्ञानिक एसके बड़ोदिया ने भी महिलाओं को उन्नत खेती के गुर बताये। जबकि आरसेटी के निदेशक सौजन्य जोशी ने भी महिलाओं को उनके अधिकार समानता व शिक्षा स्वास्थ्य की जानकारी देकर पुरुष से कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक रूप से मजबूत बनने का संकल्प दिलाया।

गुम हुई नाबालिग बालिका को 24 घंटे में किया बरामद

माही की गूंज, आम्बुआ।

थाना क्षेत्र के ग्रामीण बावड़ी की आदिवासी बालिका जो कि अज्ञात कारणों से गुम हो गई थी। परिवार वालों ने आम्बुआ पुलिस थाने पर 7 मार्च को बालिका के गुम होने तथा अपहरण की आशंका व्यक्त करते हुए सूचना दर्ज कराई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल द्वारा जानकारी एकत्र की गई तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर खोजबीन की गई। जिससे उक्त नाबालिग बालिका को इंदौर से 8 मार्च को बरामद किया गया तथा परिवार की प्रथम सूचना के आधार पर अपराध क्रमांक 63/22 धारा 363 आईपीसी के तहत प्रकरण कायम कर बालिका परिजनों को सुपुर्द किया जाकर आगे विवेचना की जा रही है। उक्त प्रकरण में थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल, एएसआई अनिल यादव, आर रोशनसिंह, आर प्रेमसिंह, आर विशाल (साइबर सेल) का सराहनीय योगदान रहा।

आगामी त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, नानपुर।

आगामी होली, भगोरिया पर्व, पंचमी, शबे बारात का त्यौहार आपसी भाई चारे व सौहार्द के साथ आने वाले सभी त्योहार मिलजुल कर संपन्न करें। उक्त बाद पुलिस थाना नानपुर में आयोजित ग्राम सुरक्षा समिति एवं शांति समिति की बैठक में एसडीओ पुलिस दिलीप सिंह बिलवाल ने कही।

इस अवसर पर तहसीलदार अजय पाठक एवं थाना प्रभारी भूपेंद्र खरतिया ने भी बैठक में समिति के सदस्यों, दुकानदारो से अपील की कि, चुना पट्टी के अंदर ही अपनी दुकान लगाए व झूला चकरी चार बजे बंद कर दिया जाएगा। गुंडागर्दी करने वालो पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। बैठक मे आमजन द्वारा नाबालिक बच्चो द्वारा वाहन चलाने वालों का मामला प्रमुखता से उठाया गया, जिस पर पुलिस प्रशासन ने ऐसे तत्वों के खिलाफवैधानिक चलानी कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर तहसीलदार अजय पाठक ने स्थानीय प्रशासन को

गणमान्य नागरिक तथा पत्रकारों ने अनेक विषयों पर विस्तार से ध्यानकर्षण किया। असमाजिक तत्वों व हथियार (तलवार, फालिया, तीरकमान, लट्ठ सहित अन्य) शस्त्र प्रतिबंधित रहेंगे। भगोरिया पर्व पर दो पहिया वाहन व बड़े वाहन (ट्राले, टेलर) पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे। असामाजिक तत्त्व व हुड़दंग करने वालों के साथ कठोरता से कार्रवाई की जाएगी।

एसडीओपी दिलीप बिलवाल ने पंचायत प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि, भगोरिया हाट बाजार के दिन चुने की लाइन व पेयजल व्यवस्था पर्याप्त मात्रा मे रखे। थाना प्रभारी भूपेंद्र खरतिया ने आम निर्देशित करते हुए कहा कि, मेडिकल टीम व एम्बुलैंस सहित फायर ब्रिगेट को मोके पर उपस्थित रखे।बिजली विभाग को डीपी के आसपास बेरीगेटिंग करने के निर्देश दिये गए, जिससे किसी अनहोनी घटना को रोका जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप क्षीरसागर, जितेन्द्र प्रसाद वाणी, फिरोज पठान, जीतू राज, सहित मुस्लिम समाज से सिराज्जुदीन पठान, कमलेश वाणी, गजानंद माली, खरपई सरपंच मानसिंह तोमर, मायला से देशला, सावन सरपंच, समरथ मौर्य, राकेश प्रजापत, मुकेश वाणी, जीतू नानू, मायला सरपंच राजेन्द्र सहित अनेक समाज प्रमुख व मिडिया के साथी उपस्थित थे।

बे-रौनक रहा त्यौहारिया हाट, कपड़ा तथा सौंदर्य प्रसाधन का हुआ व्यवसाय

माही की गूंज, आम्बुआ।

त्यौहार के पूर्व लगने वाला साप्ताहिक हाट बाजार को स्थानीय लोग त्योहारिया हाट कहते हैं। जिसमें संबंधित त्योहार से संबंधित सामग्री का क्रय-विक्रय किया जाता है। हाट बाजारों में व्यवसाय क्रेता की ÷जेब÷ के वजन के हिसाब से होता है। वर्तमान में ग्राहकों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से क्रय शक्ति कमजोर है।

आगामी दिनों में होली का त्यौहार आ रहा है उसके पूर्व एक सप्ताह तक क्षेत्र में भगौरिया मेले की धूम रहेगी। भगौरिया आदिवासी संस्कृति का पर्व माना जाता है इस त्यौहार को मनाने के लिए मजदूरी करने या नौकरी करने वाले आदिवासी समाज के लोग घर आ जाते हैं तथा त्यौहार बाद वापस जाते हैं। अपने क्षेत्र में आकर वे खाद्य सामग्री के साथ-साथ कपड़े, गहने, सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री आदि खरीदते हैं। इस बार मजदूर ग्रामीण अभी तक वापस नहीं लौटे हैं तथा खेतों में अभी फसलों की कटाई नहीं हुई, इस कारण अभी ग्रामीणों की जेब खाली है। यही कारण है कि, त्यौहारिया हाट में जैसी बिक्री होना चाहिए थी वैसी नहीं होने से व्यापारी मायूस दिखे। कपड़े तथा सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री की बिक्री जरूर होती दिखी पर वह भी कम ही रहने का अनुमान है अन्य व्यवसायई निराश दिखाई दे रहे है।

ये कहना है व्यापारियों का

- किराना व्यापारी मुर्तुजा बोहरा का कहना है कि, धंधा बहुत मंदा है आगामी दिनों में उठाव आ सकता है।
- वही व्यापारी अमजद खान ने बताया, मेकअप के सामान में उठाव आया है।
- गहना व्यापारी पियूष सोनी का कहना है कि, भगौरिया त्योहार के लिए ग्रामीण चांदी के गहने खरीदते हैं मगर अभी बिक्री कम है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का नगर आगमन पर किया स्वागत

माही की गूंज, नानपुर। फिरोज पठान

प्रदेश भाजपा द्वारा अलीराजपुर के पूर्व विधायक नागर सिंह चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद प्रथम आगमन पर उनका ढ़ोल बाजे के साथ गर्म जोशी से स्वागत किया गया। गाँधी तिराहे से आतिशबाजी व ढ़ोल के साथ पंचायत परिसर पर लाया गया, जहाँ कार्यकताओ ने भव्य स्वागत किया।

पूर्व मण्डल महामंत्री व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र प्रसाद वाणी ने कहा , आज हमारे छोटे से जिले से प्रदेश नेतृत्व में नागर सिंह चौहान को इतनी महती जवाबदारी दी गई है। आज हम उनका हार्दिक नागरिक अभिनन्दन करते है व प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। श्री वाणी ने नगर की ज्वलंत समस्या को रेखांकित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मे उन्नयन सहित मुक्तिधाम की वालबाउण्ड्री की मांग रखी।

कार्यक्रम मे वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश नागर ने अपने जीवन काल का संस्मरण सुनाते हुए कहा कि, उस समय मे पार्टी के पास कार्यकर्ता की टीम नहीं हुआ करती थी न संसाधन हुआ करता था। सुदूर जंगलों मे सायकिल से जाकर प्रचार किया करते थे। मगर आज पार्टी के पास कार्यकर्ताओ की लम्बी फौज तैयार है। कार्यक्रम को प्रदेश कार्य समिति के सदस्य किशोर शाह ने भी इस अवसर पर पार्टी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि, ये केवल नागर सिंह का सम्मान नहीं है वरन क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता का सम्मान है।

कार्यक्रम में नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नागर सिंह चौहान ने कहा कि, क्षेत्र को 2 हजार 250 करोड़ की योजना को मूर्त रूप देकर क्षेत्र के किसानो के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। जिससे कृषि का सिचाई का रकबा बढ़ेगा और अधिक पैदावार होंगी तो व्यापार व्यवसाय बढ़ेगा। जल मिशन योजना के तहत पीएम मोदी ने घर-घर नल से पानी देने का स्वपन देखा है जो आज सुदूर आदिवासी क्षेत्रो मे भी साकार हो रहा है। आज राज्य व केंद्र की सरकार सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के साथ कार्य कर अंतिम व्यक्ति की चिंता कर रही है। आज देश मे चाय बेचने वाला व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सकता है, मुझ जैसे किसान के बेटे को प्रदेश की राजनीती मे उपाध्यक्ष का पद मिल सकता है, ये केवल भारतीय जनता पार्टी मे ही संभव है, अन्य पार्टी मे केवल परिवार वाद चलता है। पार्टी हर कार्यकर्ता का मूल्यांकन करती है।मुझे पार्टी ने जो जवाबदारी दी है उसका निर्वहन ईमानदारी से करूँगा। श्री नागर ने प्रदेश संगठन का आभार माना। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप क्षीरसागर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश नागर, कैलाश चन्द्र वाणी, सीताराम वाणी, मदनलाल, घनश्याम माली सावन मारु सरपंच, शैलेन्द्र वाणी, विजय वाणी, राजेश राठौर, मण्डल अध्यक्ष मानसिंह तोमर, आजम अवास्या, मेहताब कनेश, जितेन्द्र प्रसाद वाणी, गोलू राठौर, इक़बाल राज, मेहबूब पठान, मोहमद पाकीजा समरथ मौर्य, देवेंद्र वाणी भास्कर, अखिलेश वाणी, मुकेश वाणी, गुड्डू सोनी, हितेंद्र माली, डिंपू राठौर, सहित आसपास के सरपंच व सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगोरिया पर्व के तहत पारंपरिक लोक नृत्य प्रतियोगिता का होगा आयोजन

अलिराजपुर, बखतगढ़, फूलमाल एवं जोबट में आयोजित होगी प्रतियोगिता

माही की गूंज, अलीराजपुर।

भगोरिया पर्व 2022 के तहत पारंपरिक लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पर्यटन को महत्व देने के उद्देश्य से 14 मार्च को अलीराजपुर, 15 मार्च को बखतगढ़, 17 मार्च को फूलमाल ओर जोबट में आयोजित होने वाले भगोरिया मेले में उक्त प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसके लिए नृतक दल अपना नाम ग्राम पंचायत अथवा जनपद पंचायत में दर्ज करवा सकते है। प्रतियोगिता उक्त निर्धारित स्थानों पर दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नृतक दल को 5 हजार रुपए नगद पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

पुलिस ने सुदुर ग्रामीण अंचल में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

माही की गूंज, अलीराजपुर/फूलमाल।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 8 मार्च को अंतर्राष्टीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सोशल पुलिसिंग के तहत उप पुलिस अधीक्षक महिला अपराध आदित्य राज सिंह ठाकुर जिला अलीराजपुर के नेतृत्व में थाना सोरवा क्षैत्रान्तर्गत ग्राम फूलमाल में महिला जन जाग्रति कार्यक्रम का आयोजन कर महिला समूह से रूबरू हुए।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक श्री ठाकुर के द्वारा उपस्थित महिला समूह को संबोधित करते हुये महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही समाज में महिलाओं के जागरूक होनें से आनें वाले सकारात्मक परिणामों से अवगत कराया। इस अवसर पर ग्रामीणों से अपील कि गई कि, उनके सामाजिकस्तर को और बेहतर बनानें के लिए आवश्यक है कि सभी जागरूक हो, नशे के सेवन से दूरी बनाए, महिलाओं का सम्मान करें, बच्चों को पढाए तथा जो भी बुराई जिससे कि सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पडता हो उसका त्याग करें, जब घर में अच्छा वातावरण बनेगा तो निश्चित ही एक अच्छे सामाजिक वातावरण का निर्माण होगा।

महिला जन जाग्रति कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी सोरवा उप निरीक्षक योगेन्द्र मण्डलोई के द्वारा भी बच्चों को पढानें के लिए उपस्थित महिला समूह एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों से अपील की गई। इसी दौरान चौकी प्रभारी फूलमाल उनि रविन्द्र डांगी के द्वारा डाकनप्रथा, सॉयबर अपराध एवं बैंक फ्राड के संबंध में जानकारी एवं समझाईश दि गई।

उक्त आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्राम फूलमाल की महिला समूह, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक थाना प्रभारी सोरवा उनि योगेन्द्र मण्डलोई एवं चौकी प्रभारी उनि रविन्द्र डांगी उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, अच्छे समाज के निर्माण के लिये आवश्यक है कि महिलाओं का सम्मान किया जाए। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा पूर्व से ही लगातार सोशल पुलिसिंग के तहत कार्य किया जा रहा है। फूलमाल ग्रामीण क्षैत्र में अंतर्राष्टीय महिला दिवस पर सोशल पुलिसिंग के तहत महिला जन जाग्रति अभियान का आयोजन रखा जाकर महिला जन जाग्रति का प्रयास किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कलेक्टर-एसपी ने किया सम्मानित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस नियंत्रण कक्ष में अलीराजपुर पुलिस के द्वारा अलीराजपुर महिला पुलिस टीम के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे। इस दौरान अलीराजपुर पुलिस विभाग की महिला पुलिस टीम के द्वारा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया गया। पश्चात कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के द्वारा उपस्थित महिला पुलिस टीम को अंतर्राष्टीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकॉमनाएं दि एवं महिला पुलिस टीम को सम्मानित भी किया तथा आगे भी और अच्छा कार्य करनें के लिए प्रोत्साहित किया।

अंतर्राष्टीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के द्वारा अलीराजपुर नगर की संपूर्ण यातायात व्यवस्था हेतु अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुवीभाग अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर के नेतृत्व में एक दिन के लिए अलीराजपुर नगर की संपूर्ण यातायात व्यवस्था का जिम्मा महिला पुलिस को सौंपा गया। यातायात व्यवस्था के दौरान महिला पुलिस के द्वारा यातायात डयूटी के साथ ही यातायात जन जागरूकता का कार्य भी किया गया, जिसके तहत यातायात नियमों के पम्पलेट, स्टीकर, बैनर के माध्यम से आमजन को यातायात जागरूकता का संदेश दिया गया।

बाइकर्स गैंग के आरोपियों पर कार्यवाही कर भेजा जेल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पीछले दिनो कस्बा अलीराजपुर में असामाजिक तत्वो एंव बाईकर्स गैंग द्वारा शराब, ताडी पीकर शोर-शराबा करना एंव बाईक को तेजगति से चला कर व साईलेंसर से तेज आवाज निकाल कर आम जनमानस में दहशत (भय) का माहोल उत्पन्न किया। जिससे अलीराजपुर शहरवासियों में ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफरोष व्याप्त होने से एसपी निर्देशन एंव एसडीओपी श्रध्दा सोनकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली शिवराम तरोले द्वारा गठीत सहयोगी पुलिस टिम को कस्बे में दहशत फेलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफकार्रवाई करने निर्णय लिया। असामाजिक तत्वो को चिन्हीत कर धरपकड की कार्रवाई कर सुनिल पिता सरदार (20) निवासी बोराना पटेल फलिया, आशिष पिता दिलीपसिह (19) निवासी अकलु, प्रदीप पिता माधु निवासी इन्दरसिह की चोकी, सुखराम पिता उगरिया कनेश (21) निवासी अकलु, जितेन्द्र पिता मोहनसिह जाति भीलाला (18) निवासी खरपई होली फलिया, जामसिह पिता पातलिया जाति भील (45) निवासी बिलवट व नानला पिता जुगडा वास्कला (50) निवासी बिलवट के विरूध्द कार्रवाई कर एसडीएम न्यायालय अलीराजपुर पेश किया गया। न्यायालय द्वारा जेल वारण्ट जारी कर उक्त बदमाशों को जिला जेल दाखिल किया गया एंव बाईकर्स गैंग के अन्य असामाजिक तत्वों की भी पुलिस द्वारा सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

जितेंद्र देवडा केश शिल्पी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष व सुरेश शारडा समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, नानपुर।

अलीराजपुर नगर के सक्रीय, ऊर्जावान, कर्मठ युवा कांग्रेस नेता जीतू देवड़ा को पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष विनोद सेन ने अलीराजपुर जिला के केश शिल्पी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के पद पर व समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग भार्गव ने सुरेश शारडा को समाज कल्याण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। उक्त नियुक्ति पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल, कांग्रेस प्रभारी जिलाध्यक्ष ओम राठौड़ की अनुशंसा पर की गई। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस संगठनों को मजबूत बनाये जाने की दृष्टि से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने यह निर्णय लिया है। इसी तारतम्य में जीतू देवड़ा व सुरेश शरडा की नियुक्ति की गई है। इनकी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, जिला कांग्रेस प्रभारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, युवा नेता तरुण मंडलोई, शहर अध्यक्ष चीतल पंवार, विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद दिवान, डाक्टर शेख, पिंटू सेन, इरशाद चंदेरी, नरपत मंडलोई, रितेश तंवर सहित जिले के नेता व कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पारा पंचायत उर्फ सब गोलमाल ही गोलमाल

माही की गूंज, झाबुआ संजय भटेवरा

देश की मुख्य विकास की धुरी ग्राम पंचायत ही होती है। पर जिले की ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार को ऐसा शिष्टाचार बना दिया है कि, यहां भ्रष्टाचार करने की एक से एक नई इबारत लिखी जाती है। जिसमें से रामा जनपद की ग्राम पंचायत पारा की बात करें तो यहां भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बनाने वाले भ्रष्टों ने कई तरह की भ्रष्टाचारी इबारतें लिख चुके हैं।

यहां की शासकीय स्कूल परिसर की भूमि को ही जवाबदारो की मिलीभगत के साथ निजी नामांतरण व रजिस्ट्री करवाकर अलग-अलग बेच दी गई। ऐसी कई इबारतें यहां लिखी गई व अब भी लिखी जा रही है। इसी तारतम्य में ग्राम पंचायत पारा में सब गोलमाल ही गोलमाल चल रहा है और भ्रष्टाचार रूपी पोले बास के चलते ग्राम पंचायत में बैठे भ्रष्ट नुमाइंदे अपनी कारगुजारी के साथ तिगड़म बिठाने में इतने माहिर है कि, उसको शायद शब्दों में इतना लिखा भी नहीं जा सकता। ग्राम पंचायत में कई भ्रष्टाचार के मामले है बताया जाता है, परंतु हम आज ग्राम पंचायत पारा के भ्रष्ट नुमाइंदों द्वारा ग्राम में बनाई गई दुकानों की ही बात करें तो यहां कई झोलमाल घोटाला दिखाई दे रहा है। काम्प्लेक्स बनाकर बिना रिकॉर्ड दर्ज के ही दुकानों की मोटी रकम वसूली जाती रही

ग्राम पंचायतों के नुमाइंदों द्वारा बस स्टैंड के नीचे शंकर मंदिर के पास व राजगढ़ रोड पर होली चौक के पास काम्प्लेक्स के रूप में दुकानों का निर्माण किया और बिना किसी नीलामी प्रक्रिया के साठ-गांठ के साथ व्यापारियों से प्रत्येक दुकान की मोटी रकम वसूली की गई। उन रुपयों का किसी प्रकार का रिकॉर्ड पंचायत में आवक-जावक के रूप में नहीं किया बताया जा रहा है।

उक्त दोनों स्थानों पर पंचायत द्वारा बनाई गई काम्प्लेक्स की दुकानों से बिना नीलामी के दुकान देने के साथ ही पंचायत द्वारा प्रतिमाह किराए के रूप में राशि दुकानों की वसूली जा रही थी। लेकिन यहां पंचायत की भ्रष्टाचार रूपी व्यवस्था के साथ अपने स्वार्थ के लिए बनाई गई दुकानों को अतिक्रमण मुहिम में पीडब्ल्यूडी विभाग की जमीन पर दुकानों का निर्माण किया जाना सामने आया। जिसके बाद दोनों स्थान की काम्प्लेक्स रूपी दुकानों को मशीनों से एसडीएम के निर्देशन में जमींदोज कर दिया गयां। जिसमें व्यापारियों द्वारा जिन्होंने दुकानों के ऐवज में मोटी रकम दी थी, वहं ठगा सा महसूस कर रहे हैं। वही होली चौक में अतिक्रमण में दुकानें जमीदोज होने के कारण फिर से पंचायत ने सांठ-गांठ कर टिन रूपी घुमटिया लगवा दी और घूमटी लगाने वाले मालिकों ने दुकाने किराए से दे दी गई। इन दुकानों में

मोटी रकम लेकर भ्रष्टो ने बिना निलामी के बस स्टैंड कि दुकाने देने का मामला: शिकायत के बाद हुआ उजागर

एक हार्डवेयर का बड़ा व्यापारी भी है जिसने पंचायत से तालमेल कर अपनी एक घुमटी लगा दी और दुकान को किराए से देकर किराया वसूल रहा है।

बस स्टैंड पर बनाई दुकानों में भी पंचायत के भ्रष्ट नुमाइंदो की कारस्तानी आ रही सामने

पारा पंचायत में बैठे भ्रष्ट नुमाइंदे बड़ी बेखूबी के साथ दुकाने बनाकर बिना नीलामी के ही दुकान का आवंटन कर दुकानों की बड़ी राशि वसूल कर अपने व्यारे-न्यारे कर रहे है। जिसका एक और मामला सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद सामने आ रहा है। शिकायतकर्ता ने सीएम हेल्पलाइन पर बिना नीलामी के बस स्टैंड पर बनी 9 दुकाने आवंटित करने को लेकर शिकायत की गई।

जिसके बाद भ्रष्ट नुमाइंदे हरकत में आए और वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर मामले को गोलमोल घुमाने का प्रयास करते हुए, दुकानो को नीलामी प्रक्रिया का नाटकिय रूप से कार्य करने का प्रयास किया। जिसके तहत विज्ञप्ति क्रमांक/प.दु.नी./2022/358 दिनांक 8 फरवरी 2022 को समाचार पत्र में विज्ञप्ति आरक्षित दुकानों अनुसार जारी की गई। जिसमें अजजा वर्ग की चार, अजा वर्ग की एक, पिछड़ा वर्ग की एक, महिला वर्ग की एक, दिव्यांग/रक्षा सेवा से निवृत्त/ शिक्षित बेरोजगार के लिए एक और अनारक्षित एक। कुल 9 दुकानों की 10 वर्ष की कालावधि के लिए 25 फरवरी को 2 बजे पंचायत भवन पारा के सभा कक्ष में नीलामी की जावेगी की विज्ञप्ति जारी की। वही भ्रष्ट नुमाइंदों ने दुकानदारों को आश्वस्त किया कि, आप से पैसे दुकान के नाम पर लिए है इसलिए जितना भी होगा हम सहयोग करेंगे। जिसके लिए नीलामी प्रक्रिया के नाम पर विज्ञप्ति जारी की गई है, जब तक स्टे ऑर्डर हाईकोर्ट से आ सकता है, कह कर संतुष्ट किया। जिसपर दुकानदार का आक्रोश पंचायत के भ्रष्ट नुमाइंदों के प्रति थोड़ा कम हुआ। नतीजन नवीन निर्माण के बाद पंचायत के भ्रष्ट नुमाइंदों को दुकानों के बदले पैसा दिया जाना दबी जुबान में बता रहे हैं, पर अभी कितनी-कितनी राशि भ्रष्टों को दी गई थी जिसका खुलासा नहीं किया जा रहा है। वहीं दुकानदारों द्वारा स्टे लाकर नीलामी प्रक्रिया को रोका जाना बताया जा रहा है।

दुकान बिना नीलामी के कैसे आवंटित कर पंचायत वसूल रही किराया

ग्राम पंचायत रिकॉर्ड में किसी प्रकार से भी दुकान नीलाम नहीं की तो किस आधार पर दुकानों को आवंटित कर किराए के नाम पर पैसे वसूल रही है। ग्राम पंचायत प्रति 3 वर्ष में 10 प्रतिशत राशि की बढ़ोत्तरी किराए में कर राशि वसूल कर रही है। जिसकी रसीद भी दुकानदार को किराए की दी जा रही है। उसी पंचायत की रसीद पर ही अपना आधार बनाकर दुकानदार अपनी आंवटित दुकान होना दर्शा रहे है। नतीजन हाईकोर्ट से भी स्टे नीलामी को रोकने के लिए लाया गया। आगे क्या होता है यह देखने का विषय रहेगा। इस संबंध में सचिव अमरसिंह मुजाल्दा से बात हुई तो बताया, 5 दुकानें पूर्व में एसडीएम साहब के आदेश पर नीलाम नहीं हुई थी। 181 पर शिकायत होने पर रामा जनपद पंचायत सीईओ साहब के निर्देशन में 25 फरवरी को 9 दुकानों की नीलामी हेतु विज्ञप्ति जारी की थी। नीलामी समय के पूर्व स्टे आने के कारण कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ और स्टे के कारण नीलामी को टाल दिया गया। किस आधार पर एसडीएम ने बिना नीलामी के 5 दुकान आवंटित करने के आदेश दिए...? बाकी 4 दुकान को पंचायत ने क्यों नीलामी नहीं की थी...? बिना नीलामी व बिना रिकार्ड आंवटित कि गई दुकानो के पैसे क्या किराए के रूप में पंचायत वसूल रही है...? सचिव का जवाब, एसडीएम साहब ने किस हिसाब से आदेश दिए मुझे नहीं मालूम, बाकी 4 दुकान आवंटित पर भी कोई जवाब नहीं मिला, पर किराया वसूला जा रहा है, प्रति 3 वर्ष में 10 प्रतिशत राशि की बढ़ोत्तरी कर प्रति माह के हिसाब से पंचायत राशि वसूल रही है बताया..!

पीडब्ल्यूडी विभाग में पूरा का पूरा बासड़ा पोला

माही की गूंज, गजेन्द्र चौहान पारा

पूरा वर्ष बीत गया, बरसात भी चली गई, पूरा रोड खुद गया, सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए, मानो सड़क गड्ढों मे तब्दिल हो गई। जर्जर सड़कों के कारण आधे घंटे का सफर अब 1 घंटे का सफर हो गया। सड़कों पर चलने वाले छोटे-बड़े वाहनों में अक्सर कोई न कोई पार्ट्स का नुकसान होता है, बसों में सफर कर रहे यात्री हमेशा परेशान होते है। वर्तमान में पारा ग्राम की चारों तरफकी सड़कों की हालत दिन पर दिन खस्ता होती जा रही है। पारा से राणापुर, दत्तया घाटी मार्ग पूरी तरह जगह-जगह गड्ढे है, यही मार्ग आगे जाकर राजगढ- इंदौर हाईवे से मिलता है।

पारा से बोरी मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है पीडब्ल्यूडी विभाग ने पूरा वर्ष निकाल दिया, पूरे वर्ष में सड़कों का पैच वर्क हुआ और ना ही डामरीकरण किया गया। जब कभी भी माही की गूंज प्रतिनिधि क्षेत्र की बेहाल सड़कों का कवरेज करने गया तो सड़कों पर गैंग मेनो से लेकर आला अफसरों तक सभी नदारद दिखाई दिए। पूरा माह निकल गया सड़कों पर ना तो टाइम कीपर रहता है और नहीं गैंगमैन और न ही विभाग के जिम्मेदार लोग। विभाग का एक भी नुमाइंदा नहीं दिखा ऐसा प्रतीत होता है जैसे पीडब्ल्यूडी विभाग कुंभकरण की नींद सोया है गांव के चारों तरफकी सड़कों के विभाग वाले सुध नहीं ले रहे।

गैंगमैन एक माह से जिला मुख्यालय झाबुआ में कार्यरत

सूत्रों के अनुसार जानकारी मिली गैंगमैन व टाइम कीपर कलेक्टर के बंगले पर काम कर रहे हैं। जिले में बैठे अंगद की तरह पैर पसार कर आला अफसर जिनको 10 वर्षों से भी अधिक हो गया, गैंग मैंनो का कहा काम करवाया जाता है अधिकारी अच्छी तरह से जानते हुए भी अंजान बने हुए हैं। इनके तबादले क्यों नहीं होते विभाग के आला अफसर अपने पदों का दुरुपयोग कर गैंग मेनो को डरा धमका कर घरों का निजी काम करवाए जाता है।

पगार सरकार की खाते हैं ड्यूटी अधिकारियों की निभाते हैं

गैंग मेनों को गुलाम की तरह घर का काम करवाया जाता है, झाड़ू, पोछा, बर्तन, कपड़े आदि घरों का काम करवाया जाता है। अधिकारियों के निवासों पर करीब 8 से 10 गैंग मेंनौ को काम करते देखा जा सकता है। उन गैंग मेनो को निवास पर अच्छा खाना-पीना मिलता है, व दोपहर में गैंग मैनो और छुट्टी भी दे दी जाती है। सब इंजीनियर, एसडीओ, बड़े बाबू आदि और भी अधिकारी इसके अलावा पारा में भी सड़क पर काम करने वाले इंजीनियर का निवास भी मुहय्या करवा रखा है। उसके यहां भी महिला से कपड़ा, बर्तन, पोछा, झाड़ू का काम करवाया जाता है। पगार सरकार की खाते हैं ड्यूटी अधिकारियों की निभाते है यह कहने मे कोई संकोच नही है। कई मर्तबा विभाग में चल रहा गड़बड़झाला को लेकर समाचार भी प्रकाशित किए गए, मगर विभाग में वर्षों से जमकर बैठे भ्रष्ट अफसरों के सिर में जू तक नहीं रेंगतीं। गैंग मेंनौ से सड़क की बजाय घरों का काम कराया जाता है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि, विभाग में पूरा का पूरा बांसड़ा पोला है।

विभाग ने दिया तुर्की फरमान

गत दिनों पहले विभाग के मंडलोई ने फरमान जारी कर दिया था, टाइम कीपर जाटव को कहा गया यह फरमान बाहर काम करने वाले गैंग मेनो के लिए था। जो भी गैंग में काम करने आता है, कौन कितने बजे आता है, उनका टाइम लिखा जाए व जो देर से आता है उनकी गैर हाजिरी लगाकर पगार काट ली जाएगी। यही फरमान जाटव ने सभी गैंग मेनो को बताया। गैंग मेनो का कहना है, हम जिले के छोटे-छोटे कस्बों से आते है, कभी-कभी आने में देरी भी हो जाती है, यह फरमान सुनाते ही गैंगमैनो में आक्रोश पैदा हो गया। एकत्रित होकर गैंगमैनो ने काम का बहिष्कार कर दिया। गैंगमैनो ने टाइम कीपर को कह दिया कल से हम सभी काम पर नहीं आएंगे, जाटव ने फरमान जारी करने वाले मंडलोई को मामले से अवगत कराया। टाइम किपर ने कहा सभी गैंगमैन कल से काम पर आने का मना कर रहे हैं। जिससे मंडलोई की धड़कने शुरू हो गई। गैंगमैनो के पास मंडलोई आया व अपना फरमान वापस ले लिया। कीपर को कह दिया कोई भी गैंगमैन कभी भी आए गेरहजरी मत लगाना यह मामला जिले में राज्यपाल के आने के 1 दिन पहले का है।

कोविंड से बचे लेकिन अव्यवस्थाओं से घिरे

जिले की जनता का इलाज करने वाला जिला हॉस्पिटल स्वयं बीमार

माही की गूंज, झाबुआ

वैश्विक महामारी कोविंड-19 की तीनों लहर का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए न केवल जिला प्रशासन अपितु जिले का स्वास्थ्य अमला भी बधाई का हकदार है। वही झाबुआ जैसे पिछड़े जिले में टीकाकरण के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करके जिलाधीश ने खाटला बैठकर कर लोगों को टीकाकरण के लिए न केवल प्रेरित किया बल्कि उन्हें अन्य लोगों को प्रेरित करने का भी जिम्मा सौंप कर सराहनीय प्रयास किया। जिससे जिले में तय समय में अपने टीकाकरण के लक्ष्य को पूर्ण किया और तीसरी लहर के संभावित खतरे से जिले की जनता को बचाया।

लेकिन इन सबके बीच जिले की जनता को अन्य बीमारियों से बचाने वाला जिला चिकित्सालय स्वयं बीमार हो गया। यानी दीया तले अंधेरा... हम बात कर रहे हैं जिले के आईएसओ प्रमाणित हॉस्पिटल जिला चिकित्सालय की, जिसमें कहने को तो सभी मूलभूत सुविधा उपलब्ध है लेकिन हकीकत कुछ और ही है। मूलभूत आवश्यकता पानी है जिसके लिए हॉस्पिटल में दो स्त्रोत हो कर दो मोटरो से सप्लाई है लेकिन वर्तमान में वो दोनों ही मोटर खराब होकर मजबूरी में मरीज और मरीज के परिजनों को हॉस्पिटल छोड़कर

सार्वजनिक शौचालय का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वही असामान्य स्थिति होने पर लोग पानी की बोतल खरीद कर इस्तेमाल करने के लिए मजबूर हो रहे। बिना पानी के हॉस्पिटल में मरीजों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है यह सब जिला चिकित्सालय यानी जिलाधीश महोदय की नाक के नीचे हो रहा है।

कुछ ऐसी ही स्थिति कुत्ते के काटने पर लगाए जाने वाले इंजेक्शन रेबिस को लेकर है जो शासकीय हॉस्पिटल में मुफ्त में लगाए जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से ये इंजेक्शन इस हॉस्पिटल में नहीं है। ऐसा ही एक्सरे के लिए लगने वाली फिल्म का हाल भी ऐसा ही है हॉस्पिटल के स्टाक में खत्म हो चुकी है जिससे हॉस्पिटल में आने वाले मरीज एक्स-रे के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। शासन स्तर पर सुविधा होने के बावजूद अपनी जेब का खर्चा कर निजी हॉस्पिटलों में जानने को मजबूर है। जिम्मेदार आगे ना आने का रटा रटाया जवाब देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। मालवी क्षेत्रों में एक कहावत प्रसिद्ध है कि, पानी से पहले पाल बांधना आवश्यक है जब एक छोटा सा आदमी भी यह जानता है कि, आवश्यकता के पहले ही व्यवस्था कर लेना चाहिए, तो स्टाक खत्म होने के पहले ही जिम्मेदार अधिकारियों ने व्यवस्था क्यों नहीं की। एक मोटर खराब होने के बाद ही उसको तत्काल सुधरवा लेना चाहिए था। लेकिन जिम्मेदारों ने दूसरी मोटर भी खराब होने का इंतजार किया और नतीजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। जिला स्तर पर होने वाले हॉस्पिटल की व्यवस्था ऐसी है तो तहसील स्तर और गावों के हॉस्पिटल की व्यवस्था केसी होगी यह सहज ही कल्पना की जा सकती है। जिस प्रकार जिलाधीश ने कोविंड टीकाकरण में तत्परता दिखाई अगर ऐसी ही जिले की स्वास्थ्य सुविधा दुरुस्ती की तत्परता दिखाएं तो जिले की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।

सरकारी अस्पताल में व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, थांदला

जनजाति समाज ने स्वास्थ विभाग मे असुविधाओ को देखते हुए ज्ञापन देकर बताया कि, थांदला सेकड़ो गाँवो से जुड़ा है ग्रामीण क्षेत्र के लोग हमेशा किसी भी बीमारी के ईलाज को लेकर थांदला के सरकारी अस्पताल पहुचते है। जहां इन ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार मरीज को गम्भीर हालत में ईलाज के लिए गुजरात ले जाना पड़ता है, सरकारी अस्पताल में दवाईयां तक बाजार से खरीदना पड़ती है। थांदला तहसीलदार शक्तिसिंह को सोपे ज्ञापन में कहा है कि, झाबुआ जिले के थांदला का सरकारी अस्पताल में जल्द व्यवस्था में सुधार करने की मांग की। इस दौरान जनजाति समाज के सेकड़ो लोग मौजूद थे।

वैध शराब ठेकेदार का अवैध कारोबार ...

पुलिस और आबकारी विभाग के संरक्षण में शराब दुकान से धड़ल्ले से बेची जा रही अवैध शराब

सड़क किनारे ढाबों सहित प्रत्येक गली-मोहल्लों में खुले रूप से चल रहे शराब के अड्डे

दुपहिया वाहन पर शराब लेकर निकलता नाबालिक

जल्दबाजी में शराब सहित गिरा नाबालिक

अवैध शराब समेट कर निकला नाबालिक

थांदला रोड पर स्थित महाकाली ढाबे पर पहुँचा नाबालिग ,रास्ते मे से ठेकेदार का आदमी खुद आया छोड़ने

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

प्रतिवर्ष शराब की दुकानों की लागत में वृद्धि हो रही है और ठेकेदार इन बढ़ती कीमतों में घाटे का सौदा कहकर दुकानें ले रहे हैं लेकिन इस घाटे का सौदे में ही शराब ठेकेदार का असल मुनाफा छुपा हुआ है। शराब ठेकेदार वैध शराब की आड़ में अवैध शराब का धंधा इतने बड़े स्तर पर कर रहे हैं कि घाटे के इस सौदे में ठेकेदारों के व्यारे-न्यारे हो गए। वही अवैध शराब के व्यवसाय पर लगाम लगाने एवं शराब ठेकेदार द्वारा की जाने वाली वैध शराब की निगरानी के लिए आबकारी विभाग बनाया हुआ है। साथ ही पुलिस विभाग भी अवैध शराब को लेकर कार्रवाई करता रहता है लेकिन आबकारी हो या पुलिस विभाग दोनों की अवैध शराब के खिलाफहोने वाली कार्रवाई शराब ठेकेदार के इशारों पर होती है। इसके बदले शराब ठेकेदार की और से मासिक बंदी के रूप में बड़ी रकम दी जाती हैं, जिसके कारण वैध शराब ठेकेदार द्वारा अपना अवैध शराब का व्यवसाय बिना किसी परेशानी के किया जाता है।

नाबालिक बच्चे शराब दुकान से ले जा रहे शराब

कहने को तो सरकार की और से नगर में एक देशी और एक विदेशी शराब की दुकान स्वीकृत है, लेकिन शराब ठेकेदार ने नगर के गली-मोहल्ले में अवैध शराब के पचासों काउंटर कमीशन पर खोल दिये। इतना ही नही नगर के सभी प्रमुख मार्गों से लगे ढाबों पर खुले आम अवैध शराब धड़ल्ले से खोल अवैध शराब परोसी जा रही है। वैध ठेकेदार के अवैध शराब के व्यवसाय पर नजर रखी गई, तो कैमरे में अवैध शराब का पूरा मामला कैद हो गया। जिसमे साफदेखा जा सकता है कि, किस तरह ठेकेदार द्वारा होटलों के नाबालिग नोकरो को अवैध शराब दी जा रही है ।

अवैध शराब ले जाते कैमरे में कैद हुआ नाबालिक,

न्यायालय के सामने से पहुँचा ढाबे पर

थांदला-बदनावर मार्ग पर बने एक ढाबे का नाबालिक कर्मचारी शराब दुकान पर दुपहिया वाहन लेकर पहुँचता है जहा से लगभग तीन से चार पेटी अवैध शराब जिसमे बियर और अन्य ब्रांड के क्वाटर लेकर जाता है लेकिन शराब दुकान से निकल कर राजस्व विभाग के अधिकारियों के बने मकान के आगे दुपहिया वाहन शराब सहित गिर जाता है। जिससे कुछ बियर की बॉटल फूट जाती है, पूछे जाने पर युवक ने कैमरे पर ही बताया कि वो शराब दुकान से ढाबे पर शराब ले जा रहा है और कोनसी शराब कितने में खरीदी बताया। घबराया नाबालिक जैसे-तैसे बची हुई शराब लेकर कोर्ट के पीछे का रास्ता पकड़ कर कोर्ट के सामने होकर स्टेट हाइवे पर बने महाकाली ढाबे पर पहुँचा जहाँ उसे फिर से कैमरे में कैद किया गया।

ठेकेदार द्वारा खुले आम परोसी जा रही है अवैध शराब

आबकारी विभाग के कार्यालय के ठीक पीछे और पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर देशी और विदेशी शराब की दुकान है, जहाँ से ठेकेदार द्वारा नगर सहित आसपास के क्षेत्र में खुले आम अवैध रूप से दुपहिया और चार पहिया वाहन से सप्लाई की जा रही है। जिसकी पुष्टि नगर सुरक्षा के लिए लगे कैमरों की फुटेज देख कर ही जाना जा सकता है। ठेकेदार के अवैध शराब के वाहन इन कैमरों और चोराहे पर खड़ी पुलिस के सामने से खुलेआम एक बार नही कई बार गुजरते हैं। गत दिनों रायपुरिया क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में शराब ठेकेदार का शराब से भरा वाहन ग्रामीणों के द्वारा रोके जाने पर आबकारी ने जप्त किया था। थांदला मार्ग पर एसडीएम ने कार्यवाही करते हुए एक ढाबे से 50 लीटर से अधिक शराब जप्त की थी। वही पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा समय-समय पर अवैध शराब बेचने वालों से टारगेट के हिसाब से 20 से 25 क्वाटर का प्रकरण बना कर रेकॉर्ड की खानापूर्ति कर इतिश्री कर लेते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422